जनहितैषी

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:29 अंक:231 दिनांक:01-08-2024 गुरूवार मूल्य:1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने गृह मंत्री अमित शाह के दावे को आधारहीन करार दिया है। इससे पहले संसद में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दावा किया था कि केरल सरकार को पूर्व में दी गई चेतावनी पर ध्यान नहीं दिया।

भारत के पूर्व क्रिकेटर अंशुमान गायकवाड़ का बुधवार को कैंसर से लंबी लड़ाई के बाद निधन हो गया। 71 वर्ष की उम्र में उन्होंने अंतिम सांस ली। गायकवाड़ ने भारत के लिए 40 टेस्ट और 15 वनडे मैच खेले।

केरल सरकार ने नजरअंदाज की, वायनाड भूस्खलन को लेकर बोले गृह मंत्री शाह

आपदा को लेकर दी गई चेतावनी

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने केरल के वायनाड में हुई भूस्खलन की घटना को लेकर बुधवार को राज्यसभा में अपनी बात रखी। उन्होंने केरल की लेफ्ट सरकार को घेरते हुए कहा कि ऐसी आपदा की आशंका के मद्देनजर केरल सरकार को पहले ही आगाह किया गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि आमतौर पर कई राज्य ऐसी चेतावनियों पर ध्यान देते हैं, लेकिन केरल सरकार ने इसे नजरअंदाज किया।

अमित शाह ने वायनाड में भूस्खलन में जान गंवाने वालों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा, इस घटना में जितने भी लोग हताहत हुए हैं और घायल हुए हैं, उन सभी के परिवारजनों के साथ मैं अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं। उन्होंने आगे कहा, मैं सदन के सामने स्पष्ट करना चाहता हूं कि 23 जुलाई को केरल सरकार को भारत सरकारी की तरफ से चेतावनी दी गई थी। इसके बाद फिर 24 और 25 जुलाई को भी चेतावनी दी गई थी। 26 जुलाई को बताया गया कि 20 सेमी से ज्यादा वर्षा होगी, भूस्खलन होने की संभावना है। मिट्टी भी गिर सकती है और लोग इसमें दब कर मर सकते हैं। अमित शाह ने आगे कहा, मैं इसपर कुछ बोलना नहीं चाहता था, मगर भारत सरकार के पूर्ववर्तीय चेतावनी प्रणाली पर सवाल उठाए गए, इसलिए मैं कहता हूं कि कृपया हमें सुनें। चिल्लाइए मत, हमें सुनिए। जो चेतावनी भेजी गई है, उसे पढ़िए।

केरल सरकार पर कसा तंज

केरल सरकार पर तंज कसते हुए उन्होंने आगे कहा कि इस देश में राज्य सरकारें ऐसी हैं, जिन्होंने इस प्रकार की चेतावनी का उपयोग करके शून्य हताहत आपदा प्रबंधन किया है। ओडिशा में जब नवीन पटनायक की सरकार थी, तब हमने सात दिन पहले साइक्लोन का अलर्ट भेजा, सिर्फ एक व्यक्ति की मृत्यु हुई, वो भी गलती से। गुजरात सरकार को हमने 3 दिन पहले साइक्लोन का अलर्ट भेजा, एक पशु भी नहीं मरा। उन्होंने कहा, भारत सरकार ने 2014 के बाद पूर्ववर्तीय चेतावनी प्रणाली के लिए दो हजार करोड़ खर्च किए हैं और इसे साझा किया जाता है। सात दिन पहले हर राज्य को सूचना भेजी जाती है। वो सूचना वेबसाइट पर सबके लिए उपलब्ध है, यहां उपस्थित माननीय सांसदों के लिए भी उपलब्ध है। कई राज्यों ने इसका उपयोग भी किया है और परिणाम भी आया है। इस प्रणाली के तहत 23 तारीख को मेरे ही अनुमोदन से नौ एनडीआरएफ की टीमें केरल के लिए रवाना हो गई थीं कि केरल सरकार को मदद हो सकता है। अमित शाह ने कहा कि नरेंद्र मोदी ने 2014 में प्रधानमंत्री बने। 2016 से पूर्ववर्तीय चेतावनी प्रणाली का प्रोजेक्ट चालू हुआ और 2023 तक दुनिया का सबसे आधुनिक पूर्ववर्तीय चेतावनी प्रणाली भारत में है। इसमें सात दिन पहले अनुमान देने वाले दुनिया में चार ही देश हैं, जिनमें से एक भारत है।

नर्सरी के छात्र ने दूसरे स्टूडेंट को मारी गोली

सुपौल (ईएमएस)। बिहार के सुपौल जिले से एक सनसनीखेज घटना सामने आई है। यहां लालपट्टी इलाके में स्थित प्राइवेट स्कूल में पढ़ने वाले नर्सरी क्लास के छात्र ने 10 साल के बच्चे को गोली मार दी। हाथ में गोली लगने से छात्र गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे आनन-फानन में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक, पांच साल का बच्चा अपने बैग में हथियार छिपाकर ले गया था। इस घटना के बाद स्कूल में हड़कंप मच गया। सूचना के बाद स्कूल में पहुंची पुलिस ये पता लगाने की कोशिश कर रही है कि आखिर पांच साल के बच्चे के पास हथियार कैसे पहुंचा।

वित्त मंत्री निर्मला को नितिन गडकरी की चिट्ठी

लाइफ और मेडिकल इंश्योरेंस पर जीएसटी हटे

नई दिल्ली(ईएमएस)। बीजेपी नेता और केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने पत्र लिखकर केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से एक अपील की है। उन्होंने वित्त मंत्री से लाइफ एंड मेडिकल इंश्योरेंस प्रीमियम पर लगने वाली 18 फीसदी जीएसटी हटाने की मांग की है। सीतारमण को लिखे पत्र में गडकरी ने कहा कि नागपुर मंडल जीवन बीमा निगम कर्मचारी संघ ने इन मुद्दों पर उन्हें ज्ञापन सौंपा है। उन्होंने यह भी कहा कि लाइफ एंड मेडिकल इंश्योरेंस प्रीमियम पर 18 फीसदी जीएसटी लगाना जिंदगी की अनिश्चितताओं पर कर लगाने जैसा है।

गडकरी ने अपने पत्र में कहा कि संघ का मानना है कि जो व्यक्ति इस जोखिम के खिलाफ कवर खरीदने के लिए इंश्योरेंस प्रीमियम पर टैक्स नहीं लगाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इसी तरह, मेडिकल इंश्योरेंस प्रीमियम पर 18 फीसदी जीएसटी बिजनेस के इस क्षेत्र के विकास के लिए बाधक साबित हो रहा है, जो सामाजिक रूप से जरूरी है। नितिन गडकरी ने आगे कहा कि संघ ने लाइफ इंश्योरेंस के जरिए बचत के लिए ट्रीटमेंट, मेडिकल इंश्योरेंस प्रीमियम के लिए आईटी कटौती की फिर से शुरुआत के साथ-साथ पब्लिक सेक्टर की सामान्य इंश्योरेंस कंपनियों के एकीकरण का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने यह भी कहा कि लाइफ एंड मेडिकल इंश्योरेंस प्रीमियम पर जीएसटी का भुगतान करना सीनियर नागरिकों के लिए चुनौती जैसा है। गडकरी ने अपने पत्र में कहा आपसे गुजारिश है कि लाइफ एंड मेडिकल इंश्योरेंस प्रीमियम पर जीएसटी वापस लेने के सुझाव पर प्राथमिकता के आधार पर विचार करें क्योंकि यह सीनियर नागरिकों के लिए नियमों के मुताबिक बोझिल हो जाता है, साथ ही अन्य प्रासंगिक बिंदुओं पर उचित सत्यापन भी किया जाना चाहिए।

जातीय जनगणना को लेकर कांग्रेस-भाजपा में तकरार...मायावती ने बताया नाटकबाजी

लखनऊ (ईएमएस)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की सुप्रीमो और पूर्व सीएम मायावती ने जातीय जनगणना को लेकर कांग्रेस और भाजपा के बीच हुई तकरार को नाटकबाजी और ओबीसी समाज को छलने की कोशिश बताया है। मायावती ने पोस्ट किया, कल (मंगलवार को) संसद में खासकर जाति व जातीय जनगणना को लेकर कांग्रेस व बीजेपी आदि में जारी तकरार नाटकबाजी और ओबीसी समाज को छलने की कोशिश है, क्योंकि इनके आरक्षण को लेकर दोनों ही पार्टियों का इतिहास खुलेआम व पर्दे के पीछे भी घोर ओबीसी-विरोधी रहा है। इन पर विश्वास करना ठीक नहीं। पूर्व सीएम ने कहा, बीएसपी के प्रयासों से यहां लागू हुई ओबीसी आरक्षण की तरह ही राष्ट्रीय जातीय जनगणना जन हित का एक खास राष्ट्रीय मुद्दा, जिसके प्रति केंद्र को गंभीर होना जरूरी है। देश के विकास में करोड़ों गरीबों-पिछड़ों व बहुजनों का भी हक है, जिसकी पूर्ति में जातीय जनगणना की अहम भूमिका है।

बता दें कि संसद में मंगलवार को बजट पर चर्चा के दौरान लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और भाजपा सांसद ठाकुर की जातीय जनगणना के मुद्दे पर नोकझोंक हुई। इन दोनों की बहस में सपा मुखिया अखिलेश यादव भी कूद पड़े।

जाति जनगणना पर अनुराग ठाकुर के बयान की पीएम मोदी ने की तारीफ

कांग्रेस नेता जयराम बोले- बयान, भारत के संसदीय इतिहास के लिए शर्मनाक

नई दिल्ली,(ईएमएस)। बीजेपी सांसद अनुराग ठाकुर को जाति जनगणना पर उनके लोकसभा भाषण की पीएम नरेंद्र मोदी ने तारीफ की है। पीएम ने तथ्यों और हास्य के संयोजन के साथ विपक्षी इंडिया गठबंधन की कमियों को प्रभावी ढंग से उजागर करने के लिए अपने साथी और बीजेपी सांसद अनुराग ठाकुर की तारीफ की। पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट में वीडियो शेयर करते हुए लिखा-मेरे युवा और ऊर्जावान सहयोगी अनुराग ठाकुर का यह भाषण जरुर सुनना चाहिए। तथ्यों और हास्य का एक आदर्श मिश्रण, इंडी गठबंधन की गंदी राजनीति को उजागर करता है।

कांग्रेस ने इसको लेकर पलटवार किया है, कांग्रेस ने बुधवार को आरोप लगाया कि पीएम नरेन्द्र मोदी ने बीजेपी सांसद अनुराग ठाकुर के लोकसभा में दिए गए उस भाषण का वीडियो साझा करके संसदीय विशेषाधिकार के घोर हनन को बढ़ावा दिया है जिसमें नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से उनकी जाति पूछकर संसदीय संवाद और चर्चा के स्तर को नीचे गिराया गया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने एक्स पर लिखा-यह भारत के संसदीय इतिहास में एक नई और शर्मनाक गिरावट है और यह बीजेपी, आरएसएस और नरेन्द्र मोदी के, गहरी जड़ें जमा चुके जातिवाद को दर्शाता है।

कांग्रेस ने सवाल किया कि क्या ठाकुर की टिप्पणी खुद पीएम मोदी के आदेश पर की गई थी। विवाद के प्राथमिक बिंदुओं में से एक ठाकुर द्वारा उल्लेखनीय हस्तियों की जाति का संदर्भ था, जिसे कांग्रेस ने सीधे हमले के रूप में व्याख्यायित किया है। अपने भाषण में अनुराग ठाकुर ने कहा कि जिनकी जाति का पता नहीं है, वे जाति जनगणना के बारे में बात करते हैं। जबकि संभवत: उनके तर्क के हिस्से के रूप में वर्तमान कांग्रेस नेता राहुल गांधी के पिता, पूर्व पीएम राजीव गांधी का जिक्र था।

राहुल गांधी ने ठाकुर के आरोपों पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की, उन्होंने कहा कि अनुराग ठाकुर ने उनका अपमान किया और देशव्यापी जाति जनगणना पर जोर देने की अपनी प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए कहा कि आप जितना चाहें मेरा अपमान कर सकते हैं, लेकिन हम इस संसद में जाति जनगणना पारित करेंगे। राहुल गांधी ने आदिवासियों, दलितों और अन्य पिछड़े वर्गों से संबंधित मुद्दे उठाने वाले व्यक्तियों के साथ व्यवहार के प्रति तिरस्कार व्यक्त करते हुए कहा कि वह न्याय की तलाश में उनके प्रति किए गए किसी भी दुर्व्यवहार को स्वीकार करेंगे। उन्होंने कहा कि अनुराग ने मेरे साथ दुर्व्यवहार किया है और मेरा अपमान किया है लेकिन मैं उनसे कोई माफी नहीं चाहता हूं।

बेरोजगारों को नौकरी का झांसा देकर ठगने वाला फर्जी सीबीआई अफसर गिरफ्तार

बेलगावी,(ईएमएस)। कर्नाटक के बेलगावी में एक फर्जी सीबीआई अधिकारी बन कर लोगों को नौकरी का झांसा देकर ठगी करने वाले को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। वह बेरोजगार युवाओं से ठगी करता था।

कर्नाटक के मालमारुति पुलिस ने बताया कि बेलगावी ऑटो नगर के एक शख्स ने फर्जी सीबीआई बनकर ठगने वाले के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में कहा गया था कि आरोपी दयानंद सरकारी नौकरी लगवाने का झांसा देकर ठगी कर रहा है। इसके बाद पुलिस ने आरोपी को पकड़ने जाल बिछाया और हुक्केरी तालुक के इस्लामपुरा गांव के रहने वाले दयानंद जिद्राले (38) को गिरफ्तार किया।

पुलिस के मुताबिक आरोपी खुद को सीबीआई अधिकारी बताता था और बेरोजगार युवाओं से ठगी करता था। उसने अब तक वन विभाग और आबकारी विभाग समेत कई विभागों में नौकरी दिलाने का झांसा देकर लोगों को ठगा है। आरोपी ने बेलगावी जिले के निप्पनी रायबाग, कागवाड़, चिक्कोडी इलाके में कई लोगों को अपना शिकार बनाया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे जेल भेज दिया है। पुलिस ठगी की गई रकम के बारे में भी पता लगी रही है।

आईएएस नहीं रही, पूजा खेडकर

यूपीएससी ने रद्द किया सिलेक्शन, अब नहीं दे पाएंगी आयोग की कोई परीक्षा

नई दिल्ली(ईएमएस)। संघ लोक सेवा आयोग ने ट्रेनी आईएएस पूजा खेडकर पर एक्शन लेते हुए उनकी अस्थायी उम्मीदवारी को रद्द कर दिया है। इसके अलावा खेडकर पर भविष्य में होने वाली किसी भी परीक्षा में शामिल होने पर रोक लगाई गई है। खेडकर के तमाम दस्तावेजों की जांच के आधार पर यूपीएससी ने खेडकर को सीएसई-2022 नियमों के उल्लंघन करने का दोषी पाया।

यूपीएससी ने पहले ही इस एक्शन के संकेत दिए थे। हाल ही में यूपीएससी ने पूजा खेडकर के खिलाफ कारण बताओ नोटिस जारी किया था। इस नोटिस में पूछा गया था कि क्यों न पूजा खेडकर की सिविल सेवा परीक्षा-2022 की उम्मीदवारी को रद्द किया जाए। यूपीएससी ने इस बाबत एफआईआर भी दर्ज कराई थी।

15 साल के रिकॉर्ड खंगाले गए

पूजा खेडकर मामले की जांच के लिए यूपीएससी ने पिछले 15 साल के डेटा की समीक्षा की। इसके बाद सामने आया कि खेडकर का इकलौता केस था जिसमें यह पता नहीं लगाया जा सका कि खेडकर ने कितनी बार यूपीएससी का एग्जाम दिया। क्योंकि उन्होंने हर बार न केवल अपना नाम बल्कि अपने माता-पिता का नाम भी बदल लिया था। अब भविष्य में ऐसा न हो सके। इसके लिए यूपीएससी एसओपी को और मजबूत करने की तैयारी कर रही है।

विवाद के बाद पुणे से वाशिम ट्रांसफर हुआ था

पूजा पर ट्रेनिंग के दौरान पद का गलत इस्तेमाल करने और खराब आचरण करने का आरोप लगा था। सबसे पहले पुणे के डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर सुहास दिवासे ने पूजा के खिलाफ शिकायत की थी, जिसके बाद उनका ट्रांसफर वाशिम कर दिया गया था। इसके बाद ही पूजा पर पहचान छिपाने और ओबीसी, विकलांगता कोटे के दुरुपयोग करने का आरोप लगा। 16 जुलाई को पूजा की ट्रेनिंग रोक दी गई और उन्हें मसूरी स्थित लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासनिक अकादमी वापस बुला लिया गया। हालांकि वे 23 जुलाई की डेडलाइन खत्म होने तक नहीं पहुंचीं।

नाम-उम्र से छेड़छाड़ का भी आरोप

पूजा की यूपीएससी में गड़बड़ी के मामले में और भी खुलासे हुए हैं। सामने आया है कि पूजा ने यूपीएससी के अटेम्प्ट बढ़ाने के लिए अपने नाम और उम्र में बदलाव किया था। सेंट्रल एडमिनिस्ट्रेटिव ट्रिब्यूनल में पूजा की तरफ से लगाए गए 2020 और 2023 के दो आवेदनों में पूजा के अलग-अलग नाम हैं। पूजा ने 2020 के आवेदन में अपना नाम खेडकर पूजा दिलीपराव और उम्र 30 साल बताई थी। वहीं, 2023 में केट के आवेदन में उन्होंने अपना नाम पूजा मनोरमा दिलीप खेडकर और उम्र 31 साल बताई। सवाल उठाया जा रहा है कि तीन साल के अंतराल में उनकी उम्र एक ही साल कैसे बढ़ सकती है। दरअसल, यूपीएससी में जनरल कैटेगरी के कैंडिडेट को 32 साल की उम्र तक 6 बार परीक्षा देने की अनुमति होती है। वहीं ओबीसी कैटेगरी का अभ्यर्थी 35 साल तक 9 बार परीक्षा दे सकता है। सूत्रों के मुताबिक, पूजा ने कुल 11 बार सिविल सर्विसेस की परीक्षा दी हैं।

वायनाड में तबाही ही तबाही...भूस्खलन से मरने वालों की संख्या बढक़र 184 हुई

170 लापता...मप्र में नदी-नाले उफान पर...बांधों का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा

सीधी-बालाघाट में पुल टूटा, रायसेन में तालाब बहा

नई दिल्ली/ भोपाल(ईएमएस)। केरल के वायनाड जिले में भूस्खलन में मरने वालों की संख्या बुधवार को बढक़र 184 हो गयी, जबकि 170 लोग अब भी लापता हैं। घटनास्थल पर मौजूद अधिकारियों ने यह जानकारी दी। राजस्व विभाग के सूत्रों के अनुसार, कुल 191 लोगों का विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा है। मंगलवार को केरल के वायनाड जिले में मेप्पाडी पंचायत के वेल्लारीमाला गांव के मुंडक्कई और चूरलमाला में भीषण भूस्खलन हुआ था। इसने भीषण तबाही मचाई है। वहीं मप्र में बारिश के कारण कई क्षेत्रों में बाढ़ जैसे हालात हैं। नदियां उफान पर हैं तो बांधों का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। बाढ़-बारिश के कारण सीधी और बालाघाट मं पुल टूट गए हैं, वहीं रायसेन में तालाब बह गया है। इससे प्रदेश के अन्य क्षेत्रों में लोग डर के साए में हैं।

देश में अगर पुल टूटने की बात आती हो तो पहला नाम बिहार का है अब यही हाल मप्र का होते जा रहा है, यहां भी लगातार पुल टूट रहे हैं। इसको लेकर कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव ने सरकार पर हमला बोला है। लालबर्रा (बालाघाट) एवं कुसमी (सीधी) में पुल टूटने की जानकारी देते हुए उन्होंने बिहार से इसकी तुलना करते हुए कहा कि बिहार एवं मप्र में पुल टूटने की प्रतियोगिता चल रही है। 50 फीसदी कमीशन की पोल पहली बारिश में खुल गई है।

बारिश का एक सीजन भी नहीं झेल पाया

सीधी जिले में बारिश में चिनगवाह से डेवा मार्ग का पुल क्षतिग्रस्त हो गया। पुलि एक करोड़ से ज्यादा लागत से तैयार हुआ था। लेकिन बारिश का एक सीजन भी नहीं झेल पाया। पुल की लागत करीब 50 लाख है। जानकारी के अनुसार कार्यपालन यंत्री ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग ने मुख्य वन संरक्षक एवं क्षेत्र संचालक संजय टाइगर रिजर्व को निर्माण कार्य के संबंध में 10 अक्टूबर 2023 को पत्र जारी किया था। इसके अनुसार बडक़ाडोल से दुबरी मार्ग विकासखंड कुसमी के लिए पुल बनाने 1 करोड़ 3 लाख 78 हजार की राशि निर्माण कार्य के लिए स्वीकृत हुई थी। जिसका प्रोजेक्ट कॉस्ट 5 लाख 18 हजार 900 रुपए विभाग में जमा किया गया था। इस सडक़ में चिनगवाह से डेवा के बीच कोडमार नदी पर पुल बनाया गया था। जिसकी वजह से 9 गांवों को इससे फायदा होना था। जहां सीधी जिले की ऐसी कोई नदी नहीं है, जिसमें अभी तक ज्यादा पानी भरा हो लेकिन थोड़ी से ही बरसात में छोटी नदी में जब 2 घंटे के लिए पानी बढ़ा तो पुल को धराशायी हो गया।

तालाब की पार टूटी, फसल को नुकसान

रायसेन जिले की सिलवानी जनपद की ग्राम पंचायत आमापानी खुर्द के गांव मेहका में बना तालाब बारिश के कारण बह गया। जिससे किसानों की फसलें और संपत्ति को नुकसान हुआ है। इस तालाब की मरम्मत हाल ही में ग्राम पंचायत द्वारा की गई थी लेकिन बारिश और बाढ़ के कारण तालाब की पार टूट गई। तालाब की पार टूटने से नीचे बने खेतों की फसल पूरी तरह से बर्बाद हो गई। कई किसानों ने बताया कि उनकी सिंचाई की मोटरें भी बाढ़ में बह गईं। एक किसान का कुआं, जो तालाब के नीचे ही बना था, वह भी धंस गया। इस स्थिति ने किसानों को आर्थिक नुकसान में डाल दिया है, और वे अपनी फसलों और संपत्तियों को लेकर बेहद चिंतित हैं। ग्रामीणों ने तालाब मरम्मत में सही से पिचिंग नहीं होने का आरोप लगाया। इस मामले में सरपंच से बात की गई, तो उन्होंने बताया कि तालाब की मरम्मत श्रमदान से की गई थी। उन्होंने कहा कि अत्यधिक वर्षा के कारण तालाब बह गया।

नर्मदापुरम से पचमढ़ी को जोडऩे वाला स्टेट हाईवे पर बना तवा नदी का पुल जर्जर हो गया है। 1130 फीट लम्बे पुल पर वर्तमान में 100से ज्यादा गड्ढे हो गए है। जिससे वाहन चालक और आम लोगों को परेशानी हो रही। तवा पुल हर दिन छोटे-बड़े हजारों वाहन गुजरते हैं। यहां छोटे-बड़े मिलाकर लगभग 100 से ज्यादा गड्ढे हैं। जो वाहनों की स्पीड पर ब्रेक तो लगा ही रहे हैं साथ ही वाहनों में टूट-फूट भी हो रही है। गड्ढों के कारण यातायात प्रभावित हो रहा है।

पूर्व भारतीय खिलाड़ी अंशुमान गायकवाड़ का कैंसर से निधन

भारत के पूर्व क्रिकेटर अंशुमान गायकवाड़ का बुधवार को कैंसर से लंबी लड़ाई के बाद निधन हो गया। 71 वर्ष की उम्र में उन्होंने अंतिम सांस ली। गायकवाड़ ने भारत के लिए 40 टेस्ट और 15 वनडे मैच खेले। वह 2000 आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में उपविजेता रही भारतीय टीम के कोच भी थे। गायकवाड़ पिछले महीने देश लौटने से पहले लंदन के किंग्स कॉलेज अस्पताल में ब्लड कैंसर का इलाज करा रहे थे।

हाल ही में बीसीसीआई ने गायकवाड़ के इलाज के लिए एक करोड़ रुपए की सहायता राशि जारी की थी। वहीं, 1983 विश्व कप विजेता टीम के सदस्यों ने भी क्रिकेटर की मदद की थी।

दो घंटे की बारिश में डूबी दिल्ली, नोएडा के कई हिस्सों में बारिश से जलजमाव

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली एनसीआर और नोएडा के कई हिस्सों में भारी बारिश से जलजमाव की स्थिति बन गयी। कई जगहों पर ट्रैफिक जाम से भी लोगों को परेशानी हुई। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने एक पहले ही भारी बारिश का अनुमान लगाया है।

दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, फरीदाबाद, गुरुग्राम में कई जगहों पर सड़कों पर बाढ़ जैसे हालात बन गए। दिल्ली के कई मेट्रो स्टेशन के बाहर भी जलजमाव से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा । दिल्ली के कई पॉश इलाकों में भी बारिश के कारण जलजमाव देखने को मिला। जिसके चलते दिल्ली ट्रैफिक पुलिस को एडवायजरी जारी करनी पड़ी।

दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर किए एक और पोस्ट में कहा कि आश्रम चौक अंडरपास में भारी जलजमाव के कारण अपोलो अस्पताल से नीला गुंबद की ओर जाने वाले कैरिजवे में मथुरा रोड पर यातायात प्रभावित है। पुलिस ने यात्रियों को इस क्षेत्र में जाने से बचने की सलाह दी।

देश में जीका वायरस के 13 मामले आए सामने

केंद्रीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री पटेल ने बताया

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्रीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने बताया कि इस साल 22 जुलाई तक जीका वायरस के कुल 13 मामले सामने आए हैं, इसमें तीन कर्नाटक और 10 महाराष्ट्र से हैं। उन्होंने राज्यसभा को यह जानकारी दी। स्वास्थ्य राज्य मंत्री पटेल ने बताया कि 2023, 2022 और 2021 में जीका वायरस के क्रमशः 23; 2 और 234 मामले सामने आए। एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम पोर्टल के आंकड़ों के अनुसार, 2018 में देश में 261 मामले सामने आए थे।

बारिश से यूपी विधानसभा में भरा पानी, खुली नगर निगम के दावों की पोल

बिजली गिरने से दस की मौत, 24 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट जारी

नई दिल्ली,(ईएमएस)। देश के मध्य, पश्चिमी और दक्षिणी राज्यों में मानसून सक्रिय है। भारतीय मौसम विभाग ने बुधवार को 24 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया। यूपी में उमस भरी गर्मी से लखनऊ व आसपास के इलाकों में हुई जोरदार बारिश से मौसम बदल गया है। बुधवार को दोपहर करीब एक बजे अंधेरा छा गया और तेज बारिश हुई। बारिश से लखनऊ विधानसभा के अंदर पानी भर गया और बाहर भी जलभराव जैसी स्थिति पैदा हो गई। उधर, नगर निगम कार्यालय सहित कई प्रमुख कार्यालयों में भी पानी भर जाने से नगर निगम के दावों की पोल खुल गई। भारी बारिश से लखनऊ शहर पानी-पानी हो गया।

मौसम विभाग ने बिजली कड़कने और भारी बारिश के मद्देनजर लोगों से घरों से बाहर न निकलने की अपील की है और कहा कि जर्जर भवनों व पेड़ों के संपर्क में आने से बचें। लोगों से घरों में ही रहने की अपील की गई है। हालांकि, बारिश के कारण लोगों को तेज गर्मी व उमस से राहत मिली है। इसके पहले मंगलवार को तराई समेत पूर्वी और दक्षिणी यूपी के कुछ इलाकों में हल्की बारिश से लोगों को थोड़ी राहत मिली थी। मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक मानसून टर्फ के मध्य भारत से उत्तर की ओर खिसकने और यूपी में मानसून सक्रिय होने से आने वाले दिनों में प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में हल्की बारिश हो सकती है।

इस बीच, झारखंड में बिजली गिरने से दस लोगों की मौत हो गई। इधर, मध्य प्रदेश में सीजन की आधी बारिश हो चुकी है। प्रदेश में एक और सिस्टम सक्रिय हो रहा है। बुधवार से फिर प्रदेश में झमाझम का दौर शुरू हो सकता है।

वहीं, राजस्थान और बिहार में मानसून धीमा है। राजस्थान के जैसलमेर और गंगानगर में तापमान 40 डिग्री दर्ज किया गया। बिहार में भी ट्रफ लाइन राज्य की सीमा से बाहर है, जिसके चलते बारिश नहीं हो रही है। कई जिलों में गर्मी उमस से लोग परेशान है। गोपालगंज में तापमान 40 डिग्री पहुंच गया है।

रेप नहीं किया, लेकिन इरादे थे......तब सजा के हकदार

नागपुर पीठ ने सजा को रखा बरकरार

मुंबई (ईएमएस)। रेप नहीं किया लेकिन तब इरादे थे, तब भी सजा के हकदार हैं। यह बड़ी बात बॉम्बे हाई कोर्ट ने सुनवाई के दौरान कही। बॉम्बे हाई कोर्ट ने नागपुर में चार लोगों द्वारा सामूहिक बलात्कार के एक मामले में फैसला सुनाकर कहा है कि अगर गैंगरेप के 'साझा इरादे' का सबूत है, तब यह दोष साबित होने के लिए काफी है। हाई कोर्ट ने गैंगरेप के चार दोषियों को 20 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई थी।

रिपोर्ट के मुताबिक,कोर्ट ने कहा कि यौन उत्पीड़न में प्रत्यक्ष भागीदारी अपराध को स्थापति करने के लिए जरूरी नहीं है। नागपुर पीठ ने सामूहिक बलात्कार के लिए चारों लोगों की सजा को बरकरार रखा है।

न्यायमूर्ति सनप ने कहा, दोनों आरोपी पीड़ित को घसीटकर एक पेड़ के पीछे ले गए, जबकि बाकी दो ने पीड़ित के दोस्त को पकड़ा। संदीप तलंडे, कुणाल घोडाम, शुभम घोडाम और अशोक कन्नके को 14 जून, 2015 को महिला के साथ सामूहिक बलात्कार के लिए 20 अगस्त, 2018 को 20 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई गई थी। न्यायमूर्ति गोविंदा सनप ने चार आरोपियों द्वारा दायर अपीलों को खारिज कर दिया जिन्होंने चंद्रपुर सेशन कोर्ट द्वारा दी गई अपनी सजा को चुनौती दी थी।

महिला और उसका दोस्त मंदिर में दर्शन करने के बाद एक पेड़ के नीचे बैठे थे, तब आरोपियों ने वन विभाग के अधिकारी बनकर उनसे संपर्क किया और 10,000 रुपये मांगे। दोनों ने जब उन्हें भुगतान करने में अपनी दिक्कत जाहिर की तब उनके साथ न सिर्फ मारपीट की गई बल्कि उनके मोबाइल फोन छीन लिए। इसके बाद संदीप और शुभम ने महिला के साथ बलात्कार किया, जबकि कुणाल और अशोक ने उसके दोस्त पकड़े रखा ताकि वह वारदात को रोक न सके। फोरेस्ट गार्ड के आने के बाद आरोपी मौके से भाग गए।

न्यायमूर्ति सनप ने कहा, वे बच सकते थे अगर उन्होंने पीड़ित के दोस्त को रोके न रखा होता। अगर वह काबू में नहीं होता, तब वह बचाने की कोशिश करता और रेप होने से रोकता। दोनों ने अन्य दो आरोपियों शुभम और संदीप की गैंगरेप में मदद की।

कांग्रेस संसदीय दल की बैठक में सोनिया गांधी ने कहा-माहौल हमारे पक्ष में है

-महाराष्ट्र समेत 4 राज्यों के चुनावी नतीजे देश की राजनीति बदलेंगे, भाजपा का काम सिर्फ बांटना

नई दिल्ली (ईएमएस)। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने बुधवार को पार्टी नेताओं से कहा कि कुछ ही महीनों में 4 राज्यों-महाराष्ट्र, हरियाणा, झारखंड और जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव होने हैं। माहौल हमारे पक्ष में है। लोकसभा चुनाव में मिले जनता के समर्थन और भावनाओं को हमें बरकरार रखना है।

सोनिया ने कहा कि हमें आत्मसंतुष्ट और अति आत्मविश्वासी नहीं बनना चाहिए। मैं यह कह सकती हूं कि यदि हम लोकसभा चुनावों की तरह ही 4 राज्यों के विधानसभा चुनाव में भी अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो राष्ट्रीय राजनीति में भी बड़ा बदलाव आएगा। सोनिया गांधी पुराने संसद भवन के सेंट्रल हॉल (संविधान सदन) में कांग्रेस संसदीय दल की बैठक में बोल रही थीं। इस दौरान पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े, राहुल गांधी समेत सभी सांसद मौजूद थे।

समुदायों को बांटने में जुटी मोदी सरकार

सोनिया गांधी ने कहा कि हमें लगा था कि मोदी सरकार लोकसभा चुनाव में लगे बड़े झटके से सबक लेगी। लेकिन इसके बजाय वह समुदायों को बांटने और डर फैलाने की अपनी नीति पर कायम है। बजट में किसानों और युवाओं की मांगों को नजरअंदाज कर दिया गया। कई महत्वपूर्ण सेक्टर के साथ बजट आवंटन में न्याय नहीं किया गया है। लोगों में निराशा है। केंद्र सरकार आत्मभ्रम में है। देश भर में करोड़ों परिवार बढ़ती बेरोजगारी और महंगाई से तबाह हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा के रास्ते में दुकानदारों के नाम लिखने के यूपी-उत्तराखंड सरकार के आदेश पर सौभाग्य से सुप्रीम कोर्ट ने सही समय पर हस्तक्षेप किया। यह केवल कुछ समय के लिए राहत हो सकती है।

संसद का कोई भी सत्र न छोड़ें

ब्यूरोक्रेसी को आरएसएस के कार्यक्रमों में जाने की परमिशन देने के लिए अचानक नियमों को बदला जा रहा है। आरएसएस खुद को एक सांस्कृतिक संगठन कहता है, लेकिन पूरी दुनिया जानती है कि यह भाजपा का राजनीतिक और वैचारिक आधार है। आपसे में कई लोग पहली बार सांसद बने हैं। कल हमारा ओरिएंटेशन प्रोग्राम था। ऐसे और भी मौके आएंगे। आपको पूरी तरह से तैयार रहना है। संसद का कोई भी सत्र न छोड़ें। अलर्ट रहे और कमेटी के कामों को गंभीरता से लें।

विधानसभा चुनावों को लेकर भरा जोश

सोनिया गांधी ने महाराष्ट्र, हरियाणा और झारखंड में होने वाले विधानसभा चुनाव तथा जम्मू-कश्मीर में भी विधानसभा चुनाव की संभावना के मद्देनजर पार्टी नेताओं में जोश भरने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि कुछ ही महीनों में चार राज्यों में चुनाव होने हैं। हमें लोकसभा चुनाव में बनी स्थिति को बरकरार रखना चाहिए। हमें आत्मसंतुष्ट और अति आत्मविश्वासी नहीं बनना चाहिए। माहौल हमारे पक्ष में है, लेकिन हमें लक्ष्य को ध्यान में रखने की भावना के साथ एकजुट होकर काम करना होगा। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि यदि कांग्रेस आगामी चुनावों में भी बेहतर प्रदर्शन करती है तो राष्ट्रीय राजनीति में बदलाव आएगा। उन्होंने वायनाड में भूस्खलन में 100 से अधिक लोगों की मौत पर दुख जताया और प्रभावित परिवारों के प्रति संवेदना जाहिर की। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्रीय बजट में किसानों और युवाओं को नजरअंदाज किया गया है।

जन हितैषी

राहुल गांधी की बिछाई बिसात मे फंसी भाजपा

समय किसी का नहीं होता है। समय अपनी गति से चलता है। समय की गति के साथ जो नहीं चल पाता है, वह नेपथ्य में चला जाता है। 2013 से भारतीय जनता पार्टी का समय शुरू हुआ था। भारतीय जनता पार्टी जो विसात बिछाती थी। कांग्रेस को उस विसात में खेलना पड़ता था। कांग्रेस जवाब देने में फंस जाती थी। कांग्रेस यह भी भूल गई थी, कि उसने 70 सालों में क्या काम किए हैं। आरोपों के चक्रव्यूह में फंसी कांग्रेस उस समय आरोपों के बचाव में लग गई थी। वहीं भारतीय जनता पार्टी ने सपनों का ऐसा मायाजाल मतदाताओं के लिए बुना। मतदाताओं को लगा कि नरेंद्र मोदी आएंगे, उसके अच्छे दिन आ जाएंगे। महंगाई खत्म हो जाएगी। हर साल 2 करोड लोगों को नौकरी मिलेगी। विदेश से काला धन आएगा। हर परिवार को 15 से 20 लाख रुपए मिल जाएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता और विश्वसनीयता का सबसे उच्चतम स्तर था। मतदाताओं के मन में यह विश्वास बैठा दिया गया था। 70 सालों में कांग्रेस ने कुछ नहीं किया है। कांग्रेस नेताओं ने केवल भ्रष्टाचार किया है। कांग्रेस को भ्रष्टाचार का पर्याय बना दिया गया था। वे सारे आरोप अब भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ नजर आ रहे हैं। पिछले 10 वर्ष से केंद्र में भाजपा और नरेंद्र मोदी की सरकार है। देश के कई राज्यों में डबल इंजन की सरकारें हैं। जो आरोप उस समय भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस पर लगाए थे। किसी भी आरोपों को वह सिद्ध नहीं कर पाए। अदालत से भी 2जी घोटाले और कोयला घोटाले के आरोप प्रमाणित नहीं हुए। पिछले 5 वर्षों में विपक्षी दलों के नेताओं पर आरोप लगाकर जिस तरह ईड़ी और सीबीआई के माध्यम से दबाव बनाकर या तो उन्हें भारतीय जनता पार्टी में लाया गया या जेल भिजवा दिया गया। आरोपों की इस राजनीति को कांग्रेस सहित सभी विपक्षी दलों ने समझा। आम जनता को भी जो सपने दिखाए गए थे। 10 साल में वह पूरे नहीं होने पर, आम जनता के सपने भी टूटने शुरू हो गए। मुसलमानों का जो डर और भय हिंदुओं में फैलाया गया था। महंगाई, बेरोजगारी और बढ़ते हुए टैक्स ने अब हिंदुओं को भी भाजपा से दूर करना शुरू कर दिया है। हिंदू मतदाता भी समझने लगा है। सत्ता में बने रहने के लिए उसको मोहरा बनाया जा रहा है। लोकसभा 2024 के चुनाव परिणाम के बाद से स्थितियां बदलीं। जिस राहुल गांधी को भाजपा और मीडिया ने पप्पू बनाया था, वही पप्पू अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के सामने एक ऐसे योद्धा के रूप में खड़ा है, जिसका मुकाबला करना अब भाजपा के लिए आसान नहीं है। भाजपा जिस तरह की राजनीति करती थी। राहुल गांधी और कांग्रेस भी जिन अस्त्र और शस्त्र का प्रयोग बीजेपी, कांग्रेस और विपक्षी दलों के खिलाफ करती थी, उसे करना शुरु कर दिया है। विपक्ष ने अब भाजपा को उसी स्टाइल में घेरना शुरू कर दिया है। पहले चक्रव्यूह भाजपा रचती थी, अब विपक्ष ने भी चक्रव्यूह बनाना सीख लिया है। अग्निवीर,जाति जनगणना को लेकर जिस तरह से राहुल गांधी ने भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला बोला है, उसकी प्रतिक्रिया सारे देश में हो रही है। केंद्र में अल्पमत की सरकार होने के कारण भाजपा की घबराहट स्पष्ट रूप से दिखने लगी है। सदन की कार्रवाई में जिस तरह से अनुराग ठाकुर ने राहुल गांधी की जाति को लेकर उन पर निजी हमला बोला। उधार की बुद्धि जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया। नेता प्रतिपक्ष के रूप में प्रोपेगेंडा करने की बात कही। राहुल गांधी ने सदन के अंदर जिस तरह से इसका जवाब दिया, उससे स्पष्ट है, कि अब बिसात राहुल गांधी बिछाते हैं। भाजपा उसमें फंस जाती है। इस समय सारे दांव भाजपा के लिए उल्टे पड़ रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी की राजनीति को समझने में कांग्रेस को 10 साल लग गए। कहा जाता है, जिस काम में जिस तरह से वह किया गया है, उसमें सफलता मिलती है। हम यह मानकर चलने लगते हैं कि यह रास्ता ही सबसे अच्छा है। उस रास्ते को छोड़ने का साहस नहीं कर पाते हैं। यही असफलता का कारण बन जाता है। इस बीच में समय बदल गया होता है। भारतीय जनता पार्टी विपक्षियों के ऊपर आरोप लगा देने, मतदाताओं को बड़े-बड़े सपने दिखा देने से जो सफलता मिल रही थी, आज वही भाजपा के लिए सबसे बड़ी असफलता का कारण बन रही है। पिछले 10 सालों में भारतीय जनता पार्टी ने जो बोया था, अब उसको काटने का काम कांग्रेस कर रही है। भयभीत राहुल गांधी अब निर्भय हो गए हैं। अब वह बिना डरे हुए भाजपा का मुकाबला कर रहे हैं। भाजपा ने जो सपने, डर और भय फैलाया था। वही अस्त्र-शस्त्र अब कांग्रेस उपयोग में ला रही है। अग्नि वीर और जाति जनगणना पर राहुल गांधी ने सदन के अंदर जिस तरह भारतीय जनता पार्टी को घेरा है। उसका मुकाबला करने के स्थान पर जिस तरह से सदन के अंदर राहुल गांधी के बारे में बोला गया है। उससे भाजपा को ही नुकसान होता हुआ दिख रहा है।

राहुल गांधी की विभाजनकारी राजनीति और बेतुकें तर्क

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष की भूमिका में राहुल गांधी जिस तरह की बातें कह एवं कर रहे हैं, निश्चित ही यह उनकी राजनीतिक अपरिपक्वता को ही दर्शा रहा है, वे लगातार विभाजनकारी राजनीति को प्रोत्साहन देते हुए भूल जाते हैं कि उनके ऊपर देश को तोड़ने नहीं, जोड़ने की जिम्मेदारी है। प्रश्न है कि कब राहुल गांधी इस महत्वपूर्ण एवं जिम्मेदारी वाले पद पर रहते हुए उसके साथ न्याय करेंगे? वे जानते नहीं कि वे क्या कह रहे हैं। उससे क्या नफा-नुकसान हो रहा है या हो सकता है। वे तो इसलिए बोल रहे हैं कि वे बोल सकते हैं, उन्हें बोलने की आजादी है, लेकिन इसका नुकसान देश को भुगतना पड़ रहा है। नेता प्रतिपक्ष ने महाभारतकालीन चक्रव्यूह और पद्म व्यूह का सहारा लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधना चाहा है। जिस तरह से उन्होंने बजट पूर्व हलवा परम्परा में वित्तमंत्री के साथ खड़े लोगों को जाति आधारित संरचना बताया वह कहीं से भी तार्किक नहीं लगता। इस सेरेमनी में तो उस वक्त मंत्रालय के जो सीनियर अफ़सर होते हैं, वे ही मौजूद रहते हैं। इसमें जातिवाद कहाँ से आया? यह बात समझ से परे है। यही वजह है कि हलवा परम्परा की जब राहुल गांधी अपनी तरह से विवेचना कर रहे थे, तब वित्त मंत्री ने माथा पकड़ लिया था। राहुल गांधी ने जो तुलनाएँ की, वे निश्चित रूप से अतिरेक या अतिशयोक्ति कही जा सकती हैं। हर दिखते समर्पण की पीठ पर स्वार्थ चढ़ा हुआ है। इसी प्रकार हर अभिव्यक्ति में कहीं न कहीं स्वार्थ की राजनीति है, सत्तापक्ष को नुकसान पहुंचाने की ओछी मनोवृत्ति है।

लोकसभा में आम बजट पर चर्चा करते हुए नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने अपना पुराना आरोप नए सिरे से दोहराया कि बजट बनाने वालों में कोई एससी-एसटी और ओबीसी अधिकारी नहीं होता, उससे यदि कुछ स्पष्ट है तो यही कि वह समाज को बांटने वाली विभाजनकारी राजनीति पर अड़े हैं। इस तरह की बेतुकी बातें करते हुए वे क्यों नहीं समझना चाहते कि ऐसी स्थिति और इस तरह की परम्परा कांग्रेस की तत्कालीन सरकारों के समय से ही चली आ रही है। कांग्रेस ही इसकी जिम्मेदार हैं, लेकिन वह कुछ समझने के लिए तैयार ही नहीं। राहुल गांधी एक तरह से यह कहना चाह रहे हैं कि अनारक्षित वर्गों के अधिकारी आरक्षित वर्गों के हितों की उपेक्षा करते हैं। इस तरह वे देश की परम्पराओं एवं लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के समझे बिना ऐसा कुछ कह जाते है जो देश की एकता, अखण्डता एवं लोकतांत्रिक प्रक्रिया के विपरीत होता है। राहुल के बोलने का बचकानापन तो कभी-कभी सारी हदें पार कर जाता है। एक बार तो उन्होंने यहां तक कह दिया हैं कि उच्च जाति के शिक्षक प्रश्नपत्र बनाते हैं, इसलिए आरक्षित वर्ग के छात्र फेल हो जाते हैं। आखिर यह भड़काऊ राजनीति नहीं तो और क्या है?

राहुल गांधी ने बजट पर सरकार को घेरने के लिए महाभारतकालीन घटनाओं का उल्लेख करते हुए यह भी कह डाला कि जैसे अभिमन्यु को चक्रव्यूह में घेर लिया गया था, उसी तरह देश को भी मोदी सरकार ने घेर रखा है। उन्होंने प्रधानमंत्री समेत जिन छह लोगों को इस घेराबंदी के लिए जिम्मेदार ठहराया, उसमें अंबानी-अदाणी के साथ राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, और आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत को भी शामिल कर लिया। उन्होंने दावा किया है कि भारत पर कब्जा करने वाले चक्रव्यूह के पीछे तीन ताकतें है- पहली एकाधिकार पूंजी का विचार, जिसमें दो लोगों को देश की समूची संपत्ति का मालिक बनने की अनुमति देना। दूसरा देश की संस्थाएं, एजेंसियां, सीबीआई, ईडी, आयकर विभाग हैं एवं तीसरी राजनीतिक कार्यप्रणाली है। इन तीनों ने मिलकर देश को तबाह कर दिया है। इस तरह के बयानों एवं बोलों से स्पष्ट है कि वह मनमाने और बेतुके तर्क देने में संकोच नहीं कर रहे हैं। वह अपनी ऐसी बातों से चर्चा में तो आ जाते हैं और उनके समर्थक उनकी वाह-वाही करने में भी जुट जाते हैं, लेकिन नेता प्रतिपक्ष के तौर पर वह न तो समाज को कोई सही दिशा दे पा रहे हैं और न ही सरकार को कोई सार्थक सुझाव। यह स्थिति देश के लिये नुकसानदायी है, चिन्तनीय है।

राहुल गांधी के रुख-रवैये एवं अतिश्योक्तिपूर्ण तर्कों से यही लगता है कि वह अभी भी चुनावी मुद्रा में हैं। अपनी चुनाव पूर्व की आक्रामकता से वे उपरत नहीं हो पाये हैं। वे सदन के भीतर एवं सदन के बाहर ऐसी ही तर्कहीन बातों एवं बयानों से अराजक माहौल बना रहे हैं। आखिर वह जो कुछ मोदी सरकार से चाह रहे हैं, उसे कांग्रेस संगठन और साथ ही अपने दल द्वारा शासित राज्य सरकारों में क्यों लागू नहीं कर रहे हैं? क्या मोदी सरकार ने उन्हें ऐसा करने से रोक रखा है? उन्हें बताना चाहिए कि कर्नाटक, तेलंगाना और हिमाचल प्रदेश में बजट बनाने में आरक्षित वर्गों के कितने अधिकारियों की हिस्सेदारी होती है? वह मोदी शासन की तरह मीडिया में भी आरक्षित वर्गों के प्रतिनिधित्व का प्रश्न भी कई बार उठा चुके हैं, लेकिन यह देखने को तैयार नहीं कि आखिर उनके परिवार के प्रभुत्व वाले मीडिया संस्थान में इन वर्गों के कितने लोगों की हिस्सेदारी है?

लोकसभा की कार्रवाई कांग्रेसी एवं विपक्षी सांसदों के वाक आउट, हंगामे, अनर्गल बहस की भेंट चढ़ रही है। विपक्षी अपनी सार्थक भूमिका का निवर्हन करने की बजाय लगातार सत्तापक्ष को घेरने एवं आरोप-प्रत्यारोप की घटिया राजनीति में लगा है। जिससे सरकार को कुछ भी हासिल नहीं हुआ। देश भी इन त्रासद घटनाओं से कुछ हासिल नहीं कर पा रहा है। आखिर सरकार करे, तो क्या करे? उसने हर सत्र के शुरू होने से पहले सर्वदलीय बैठकें करके देख ली। दोनों सदनों के अध्यक्ष और उप-सभापति ने बारंबार समझा-समझाकर सहयोग की अपील कर ली। प्रधानमंत्री ने भी बार-बार सदस्यों से सदन को शांतिपूर्वक बहस के जरिये चलने-चलाने की विनम्र अपील कर डाली। बावजूद इसके एनडीए को सत्ता के आरंभ 2014 से अभी तक विपक्ष का सहयोग नहीं मिल पाया है। संसद के सत्रों की ही भांति नीति आयोग की बैठक का भी लगभग सभी विपक्षी दलों ने बहिष्कार कर दिया। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री आईं जरूर, लेकिन उन्होंने भी यह आरोप लगाकर बाहर का रास्ता नापा कि उनको बोलने नहीं दिया गया, माइक बंद कर दिया गया। हालांकि, सरकार ने इससे इनकार किया है। क्या देश के मतदाताओं ने भारी संख्या में विपक्ष को इसीलिए भेजा है कि वे उनके हितकारी कार्यों पर संसद में बहस करने के बजाय सब कुछ हंगामे या बहिष्कार की भेंट चढ़ा दें? कब विपक्ष संसद में मतदाताओं की भावनाओं के अनुरूप उनको सौंपी गई जिम्मेदारी के प्रति गंभीर होकर अपनी दायित्वों एवं कर्तव्यों का पालन करते हुए देश-निर्माण में अपनी सार्थक भूमिका का निर्वाह करेंगे?

नीति आयोग ऐसा कोई मंच नहीं, जिसे दलगत राजनीति का अखाड़ा बनाया जाए। वैसे भी, इस बार तो नीति आयोग की बैठक का एजेंडा देश को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के उपाय और सुझावों पर केंद्रित था। आखिर इस एजेंडे पर विपक्षी दलों एवं विपक्षी दल के मुख्यमंत्री को राजनीति करने की क्यों सूझी? वे यह ठान चुके हैं कि वे किसी भी, यहां तक की राष्ट्रीय हित के विषय पर भी सरकार के साथ मिलकर चलने को तैयार नहीं। इसकी झलक संसद में तो लगातार मिल रही है, लेकिन नीति आयोग में भी वैसी ही नकारात्मक स्थितियां दुर्भाग्यपूर्ण है। विपक्षी दलों का तर्क है कि उन्होंने नीति आयोग की बैठक का बहिष्कार इसलिए किया, क्योंकि बजट में विपक्ष-शासित राज्यों की कथित तौर पर अनदेखी की गई। एक तो यह जनता को गुमराह करने वाला तर्क है, और यदि ऐसा लगता है, तो उन्होंने अपनी बात आयोग की बैठक में प्रधानमंत्री के समक्ष कहने का अवसर गंवना क्यों पसंद किया? (लेखक- ललित गर्ग / ईएमएस)

यादों में बसे हैं सावन के झूले

सावन को बहुत पवित्र महीना माना जाता है। मान्यता है कि सावन में माता पार्वती ने भगवान शिव की तपस्या करके उन्हें पाया था। सावन दक्षिणायन में आता है जिसके देवता शिव हैं। इसीलिए इन दिनों उन्हीं की आराधना शुभ फलदायक होती है। सावन के महीने में बहुत वर्षा होती है। इसलिये इसे वर्षा ऋतु का महीना या पावस ऋतु भी कहा जाता है।

तुम्हें गीतों में ढालूँगा सावन को आने दो । ऐसे गाने सावन आते ही लोगों की जुबान पर खुद-ब-खुद आ जाते हैं। पहले सावन शुरू होते ही गांव की गलियों से लेकर शहरों तक झूले पड़ते थे। महिलाएं झूला झूलतीं और गाती थीं। सावन व भादो का महीना हमे प्रकृति के और निकट ले जाता है। झूले झूलने के दौरान गाये जाने वाले गीत मन को सुकून देते हैं। झूले गांव के बागीचों, मंदिर के परिसरों में डाले जाते थे।

भारतीय संस्कृति में झूला झूलने की परम्परा वैदिक काल से ही चली आ रही है। श्री कृष्ण राधा संग झूला झूलते और गोपियों संग रास रचाते थे। मान्यता है कि इससे प्रेम बढ़ने के अलावा प्रकृति के निकट जाने एवं उसकी हरियाली बनाये रखने की प्रेरणा मिलती है। एक दौर था जब लोगों को सावन के महीने का बेसब्री से इंतजार रहता था। लड़कियां ससुराल से मायके आती थीं। लेकिन अब ये परंपरा खत्म होती जा रही है। अब न तो झूले पड़ते हैं और न गीत सुनाई देतें है।

सावन शुरू हो गया है लेकिन इसका एहसास ही नहीं हो रहा है। उमंग और खुमारी का संगम इसी महीने में हरियाली तीज पर खत्म होता था। सखियों को सुख-दुख बांटने, साथ बैठकर मेंहदी लगाने की परंपरा फिर गीत गाना सब गुम हो चुका है। बच्चे अब झूले नहीं वीडियो गेम में मस्त रहते हैं। महिला संगठन भी अब किटी पार्टी जैसे आयोजनों तक सीमित हैं। झूले की परम्परा लुप्त होने के पीछे सबसे प्रमुख वजह मनोरंजन के भरपूर साधनों का होना भी हैं।

सावन के आते ही गली-कूचों और बगीचों में मोर, पपीहा और कोयल की मधुर बोली के बीच युवतियां झूले का लुत्फ उठाया करती थीं। अब न तो पहले जैसे बाग-बगीचे रहे और न ही मोर की आवाज सुनाई देती है। अब बिना झूला झूले ही सावन गुजर जाता है।

वन माफियाओं के चलते गांवों में भी बाग-बगीचे नहीं बचे हैं। जहां युवतियां झूला डाल कर झूल सके। अब समय के साथ पेड़ गायब होते गए और उनके स्थान पर बहुमंजिला इमारतों के बनने से आंगन का अस्तित्व समाप्त हो गया। ऐसे में सावन के झूले भी यादें बनकर हमारी परम्परा से गायब हो रहे हैं। जन्माष्टमी पर मंदिरों में सावन की एकादशी के दिन भगवान को झूला झुलाने की परम्परा जरूर अभी भी निभाई जा रही है। आज के समय में सावन के झूले नजर नहीं आने का कारण जनसंख्या घनत्व में वृद्धि के साथ ही वृक्षों की कटाई हैं। लोग अब घर की छत पर या आंगन में लोहे के झूले पर झूलकर मन को संतुष्ट कर रहे हैं। बुद्धिजीवी वर्ग सावन के झूलों के लुप्त होने की प्रमुख वजह सुख सुविधा और मनोरंजन के साधनों में वृद्धि को मान रहे हैं।

सावन में झूला झूलना मात्र आनंद की अनुभूति नहीं कराता अपितु यह स्वास्थ्यवर्धक प्राचीन योग भी है। सावन में चारो तरफ हरियाली छाई होती है। हरा रंग आंखों पर अनुकूल प्रभाव डालता है। इससे नेत्र ज्योति बढ़ती है। झूला झूलते समय श्वांस-उच्छवास लेने की गति में तीव्रता आती है। इससे फेफड़े सुदृढ़ होते हैं। इसके साथ ही झूलते समय श्वांस अधिक भरा, रोका एवं वेग से छोड़ा जाता है। इससे नवीन प्रकार का प्राणायाम पूर्ण हो जाता है जो स्वास्थ्य वर्धक है। झूलते समय रस्सी पर हाथों की पकड़ सुदृढ़ होती है। इसी प्रकार खड़े होकर झूलते समय झूले को गति देने बार-बार उठक-बैठक लगानी पड़ती हैं। इन क्रियाओं से एक ओर हाथ, हथेलियों और उंगलियों की शक्ति बढ़ती है वहीं दूसरी ओर हाथ-पैर और पीठ-रीढ़ का व्यायाम हो जाता है।

गांवों की बुजुर्ग महिलायें बताती हैं कि सावन आते ही बेटियां ससुराल से मायके बुला ली जाती थीं और पेड़ों पर झूला डाल कर झूलती थीं। त्योहार में बेटियों को ससुराल से बुलाने की परम्परा तो आज भी चली आ रही है। लेकिन जगह के अभाव में न तो कोई झूला झूल पाता है और न ही अब मोर, पपीहा व कोयल की सुरीली आवाज ही सुनने को मिलती हैं। दस साल पहले तक यहां रक्षाबंधन तक झूले का आनंद लिया जाता था। गांव के पेड़ पर मोटी रस्सी से झूला डाला जाता था और सारे गांव की बहन-बेटियां झूलती थीं। अब पेड़ ही नहीं हैं तो झूला कहां डालें। सावन के महीने में नवविवाहित महिलाओं को अपने मायके जाने की परम्परा राजस्थान में तो आज भी चली आ रही है।

अब वक्त ने ऐसी करवट ली है कि सावन तो आता है पर अपने रंग नहीं बिखेर पाता। जिस सावन के आते ही नववधु ससुराल से मायके पहुंच जाती थी। अब वैसा सावन नही होता है। झूले की परम्परा लुप्त होने के साथ ही सावन भादों की खुशबू अब कहीं नहीं दिखती है। कुछ स्थानों को छोड़ कर लोग इसका आनंद नहीं ले पा रहे हैं। झूलों के नहीं होने से हमे लोक संगीत भी सुनने को नहीं मिलता है। आधुनिकता की दौड़ में प्रकृति के संग झूला झूलने की बात अब कहीं नहीं दिखती है। आज से दो दशक पहले तक झूलों और मेंहदी के बिना सावन की परिकल्पना भी नही होती थी।

झूला झूलने के खत्म हुए रिवाज के लिए गांवों में फैल रही वैमनष्यता भी जिम्मेदार हैं। पहले गांव के लोग हर बहन-बेटी को अपनी मानते थे लेकिन अब जमाना बदल गया है। जिसके हाथ में रक्षा सूत्र बांधा जाता है वही भक्षक बन जाता है। बाग-बगीचों के खात्मे के साथ जहां मोर-पपीहों की संख्या घटी है वहीं भाईचारे में कमी आई है। नतीजतन झूला-झूलने की परम्परा को ग्रहण लग गया है।

पहले संयुक्त परिवार में बड़े-बूढ़ों के सानिध्य में लोग एक दूसरे के घरों में एकत्रित होते थे। आज बढ़ती एकल परिवार की प्रवृति ने आपसी स्नेह को खत्म कर दिया है। महिलाएं सामुदायिक केन्द्रो में जाकर पर्व मनाती हैं। शहरों में अब झूले डालने के लिए जगह की तलाश करनी पड़ती है। अब तो पारम्परिक पहनावा भी आधुनिकता की भेंट चढ़ गया है। अब छुट्टी के दिन लोग परिवार के साथ बाग-बगीचों में जाकर सावन का त्यौहार मनाने की रस्म पूरी करते हैं। वर्षा ऋतु में सावन की खूबियां अब किताबों तक ही सीमित रह गई हैं। अब प्रकृति के साथ जीने की परम्परा भी थमती सी जा रही है।(लेखक - रमेश सर्राफ धमोरा/ ईएमएस) (लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

हर तरह की त्रासदियों का देश भारत

भारत त्रासदियों का देश है । यहां कभी संसद के भीतर त्रासदी होती है तो कभी संसद के बाहर । कभी हाथरस में त्रासदी होती है तो कभी केरल के वायनाड के चूरलामाला इलाके में। कहीं कोई भगदड़ से मरता है तो कहीं कोई भूस्खलन से ,लेकिन इन त्रासदियों के लिए कोई दोषी नहीं ठहराया जाता। गनीमत ये है कि केरल सरकार ने चूरलामाला की त्रासदी के बाद राज्य में दो दिन का रजकीय शोक घोषित किया है । उत्तर प्रदेश में हाथरस हादसे के बाद ऐसा निर्णय नहीं हुआ,क्योंकि उत्तर-प्रदेश में राम राज है और केरल में नही।

मंगलवार को तड़के हुई वर्षा और भूस्खलन वायनाड के चार गांवों के लिए अमंगल लेकर आया । अचानक पानी का बहाव बढ़ा और पहाड़ों ने धसकना शुरू कर दिया। पहाड़ों के मलवे ने पहाड़ों की तलहटी में बसे चार गांवों को देखते ही देखते श्मशान में बदल दिया । आधिकारिक जानकारी के मुताबिक इस प्राकृतिक हादसे में 122 लोगों के मारे जाने की पुष्टि हुई है । राहत -बचाव कार्य जारी है। आपदाग्रस्त इलाके के पूर्व सांसद राहुल गांधी और उनकी बहन ने प्रियनका वाड्रा भी पीड़ितों तक पहुँचने के लिए तैयार बैठे रहे लेकिन राज्य सरकार और जिला प्रशासन ने उन्हें खराब मौसम की वजह से वहां जाने से रोक दिया।

आपदाएं कहकर नहीं आतीं । न दिल्ली में और न हाथरस में और न वायनाड में। तमाम त्रासदियों यनि आपदाओं के लिए हम खुद जिम्मेदार हैं । हम प्रकृति के खिलाफ खड़े होकर उसे लगातार उसे चुनौतियाँ दे रहे हैं। लेकिन हम जानते हैं कि प्रकृति सबसे अधिक बलवान होती है। उससे नहीं जूझा जा सकता। हमेशा की तरह इन त्रासदियों के पीड़ितों के बीच माननीय नहीं गए । वे खुद इस समय सबसे बड़ी सियासी आपदा से जूझ रहे हैं। वे मणिपुर नहीं गये । हाथरस नहीं गए । जाकर करेंगे भी क्या ? उनके हाथ में तो कुछ नहीं है। वे भले ही अपने आपको भगवान का अवतार मानते हों लेकिन वे अवतार तो नहीं हैं।

वायनाड त्रासदी में फंसे लोगों की सेवा में सेना और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन के जवान लगे है। वहां राष्ट्रिय स्वयं सेवक संघ का कोई प्रशिक्षित कार्यकर्ता नहीं है। होता तो भी शायद वो कुछ कर नहीं पता क्योंकि आजकल संघ ने सेवा कार्यों से अवकाश ले रखा है। संघ प्रमुख इन दिनों भाजपा को उत्तर प्रदेश ,हरियाणा,महाराष्ट्र और झारखण्ड में बचाने में लगे हैं। केरल में डबल इंजिन की सरकार नहीं है । केरल सरकार भी मुमकिन है कि पीड़ितों को अपेक्षित सहायता न पहुंचा पायी हो ,लेकिन केंद्र की सनातनी सरकार ने भी वायनाड के पीड़ितों के लिए अपना खजाना नहीं खोला। ये खजाना तो सरकार को समर्थन देने वाली टीडीपी और जेडीयू को मिनिमम समर्थन मूल्य देने के लिए खुलता है।

मैंने हाल ही में कहा था की हमारे देश में मानव जीवन की कोई कीमत तय नहीं है। । हम सब कीड़े-मकोड़े है। सरकार त्रासदियों के समय मरने वालों को 50 हजार रूपये दे या पांच करोड़ रूपये, ये उसकी मर्जी है। फिर केरल वाले तो दिल्ली की आंख की किरकिरी हमेशा से रहे हैं। केरल ने आजतक भाजपा का साथ नहीं दिया ऐसे में दिल्ली वायनाड के पीड़ितों को सहायता कैसे दे सकती है।?वायनाड से जो तस्वीरें आ रहीं हैं ,वे हृदयविदारक हैं। लोग कीचड़ में ,मलबे में दबे हैं। इन लोगों को मदद की जरूरत है । जिन अभागों तक मदद नहीं पहुँच सकी वे मारे जा चुके हैं। लेकिन हमारा देश,हमारी संसद, वायनाड त्रासदी के मुकाबले दिल्ली की त्रासदी पर सियासत में उलझी हुई है।

मुझे वायनाड की तस्वीरें देखकर महाराष्ट्र का लातूर याद आ रहा है। 1993 में भूकंप ने लातूर को तबाह कर दिया था। 2024 में भूस्खलन ने वायनाड के चार गांवों को जमीदोज कर दिया है। मुमकिन है कि ये हादसा इस इलाके का प्रारब्ध हो और मुमकिन है कि इस हादसे के लिए केरल की राज्य सरकार जिम्मेदार हो। केरल में भले ही सनातनियों की सरकार नहीं है लेकिन उसे लोगों के सुख-दुःख का पता है। केरल सरकार ने दो दिन का राजकीय शोक घोषित किया है। वैसे ये राष्ट्रीय शोक है । इस हादसे पर संसद में उसी तरह शृद्धांजलियाँ अर्पित कि जाना चाहिए जिस तरह पिछले दिनों दुसरे मृतकों के लिए किया गया था। प्रकृति का रौद्र रूप हमने हिमाचल में भी देखा है इसलिए हम चाहते हाँ कि वर्षा ऋतु में आपदाओं से निबटने के लिए एक समान और व्यापस्क नीति बनाई जाना चाहिए।

मै वायनाड की त्रासदी से बुरी तरह आहत हूँ ,लेकिन मेरे या आपके दुखी होने से क्या हासिल ? दुखी तो सरकारों को होना चाहि। सदन में इस त्रासदी पर कोई काम रोको प्रस्ताव लेकर आये । बहस हो। सरकार बताये कि उसने आपदागस्त राज्यों के लिए क्या राण नीति बनाई है ? सरकार आपदाग्रस्त राज्यों के साथ पार्टीगत राजनीति से ऊपर उठकर। सरकार के पीएम केयर फंड से पैसे निकलकत हिमाचल और केरल की मदद करे । (लेखक - राकेश अचल / ईएमएस)

शब्द पहेली - 8085

■	1		2	■	3		4	■
5		■		■		■	6	7
	■	8		9		■	■	
10			■		■	11		
■	■	12		■	13		■	■
14			■	15	■	16		17
	■	■	18		19		■	
20	21	■		■		■	22	
■	23			■	24			■

बाएँ से दाएँ

1. कवि की रचना,गजल-3
3. अनुमान,अंदाज-3
5. सदपुरुष-2
6. अयोग्य,असंगत -2
8. स्वार्थ,लोभ-4
10. सहयोग,सहकार-3
11. उन्माद,सनक-3
12. भगवान का अराधक-2
13. ठंडक,शीतलता-2
14. दूल्हे के सिर पर बांधी जाने वाली पगड़ी-3
16. चांदी-3
18. गंवारपन,अशिष्टता-4
20. पैंदा,तला-2
22. वर्तमान दिन-2
23. बहने का भाव-3
24. गमन, विदा होना-3

ऊपर से नीचे

1. हुनर,फन,आर्ट-2
2. बल,दम,जोर-3
3. समीप,नजदीक-3
4. गलत का विलोम-2
5. भ्रम,संदेह-3
7. उपनदी,कैनाल-3
8. नशे से भरपूर-4
9. लाख,सौ हजार-2
11. स्वभाव,आदत-4
14. स्वास्थ्य-3
15. इस जगह-2
17. तहजीब,शिष्टता-3
18. इकट्ठा होना-3
19. रेखा,लाइन-3
21. होठ,अधर-2
22. आगमन-2

शब्द पहेली - 8084 का हल

स	ह	ल	ज	■	■	कु	ली	न
रि	■	■	र	सा	त	ल	■	फा
ता	ना	■	■	ग	म	■	■	स
■	जा	म	■	र	■	■	स	त
■	य	म	ज	■	आ	रा	म	■
ह	ज	■	■	ह	■	न	त	■
ज	■	■	क	र	■	■	ल	ब
र	■	स	ला	म	त	■	■	द
त	बा	ही	■	■	य	की	न	न

Jagrutidaur.com, Bangalore

1.45 रुपये के शेयर ने निवेशकों को बनाया करोड़पति....जाने कैंसे

मुंबई (ईएमएस)। शेयर बाजार में कब कौन सा शेयर निवेशक को मालामाल कर दे, कुछ नहीं कह सकते है। ऐसा कमाल बहुत से पेनी स्टॉक्स ने किया है। हालांकि, इन स्टॉक्स में पैसा डूबने का जोखिम ज्यादा होता है, फिर भी बहुत से लोग इसमें खूब पैसा लगाते हैं। निवेशकों को मालामाल करने वाला ऐसा ही मल्टीबैगर पेनी स्टॉक है हजूर मल्टी प्रोजेक्ट्स शेयर। इस शेयर में पैसा लगाने वाले केवल पांच साल में ही करोड़पति बन गए हैं। पांच साल पहले यानी अगस्त 2019 में इस शेयर की कीमत महज 1.45 रुपये थी। 30 जुलाई को यह शेयर बीएसई पर 4.99 फीसदी की तेजी के साथ 424.10 रुपये पर बंद हुआ है। सरकार ने बीते कुछ सालों में इंफ्रास्ट्रक्चर पर काफी फोकस किया है और इसका असर इस सेक्टर से जुडी कंपनियों पर भी देखने को मिला है। इस सेक्टर में आई ग्रोथ से कंपनियों के शेयर भी खूब चमके हैं।

पांच साल में इस मल्टीबैगर पैनी स्टॉक ने 29148 फीसदी रिटर्न दिया है। एक महीने में इस पेनी स्टॉक की कीमत में 24 फीसदी का उछाल आया है, साल 2024 में यह शेयर अब तक 23 फीसदी की बढत ले चुका है। हजूर मल्टी प्रोजेक्ट्स शेयर में अगर किसी निवेशक ने पांच साल पहले एक लाख रुपये लगाए थे, तब वहां आज करोड़पति बन चुका है। एक साल पहले इस शेयर की कीमत 1.45 रुपये थी और 424 रुपये हो चुकी है।

खेल - समाचार

दीपिका पेरिस ओलंपिक की तीरंदाजी के प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं

पेरिस (ईएमएस)। भारतीय महिला तीरंदाज दीपिका कुमारी शानदार प्रदर्शन करते हुए पेरिस ओलंपिक की व्यक्तिगत तीरंदाजी स्पर्धा के अंतिम 16 में पहुंच गई हैं। दीपिका ने यहां हुए मुकाबले में नीदरलैंड की क्विंटी रोफेन को 6-2 से हराया। दीपिका अब 3 अगस्त को प्री क्वार्टर फाइनल में उतरेंगी। दीपिका ने यहां इस्टोनिया की रीना परनाट को शूटऑफ में 6-5 से हराकर अंतिम 32 में प्रवेश किया था। दीपिका नीदरलैंड की क्विंटी के खिलाफ शुरुआत में ही 2-0 की बढ़त बनाने के बाद पहला सेट जीतने में सफल रहीं पर दूसरा हार गई जबकि तीसरे में स्कोर बराबरी पर रहा। चौथा हार गई पर पांचवें में बराबरी हासिल कर ली। इसके बाद शूटआफ में उन्होंने नौ जबकि विरोधी खिलाड़ी ने आठ स्कोर किया।

दीपिका विश्व चैंपियनशिप में दो बार रजत विजेता रही हैं। विश्वकप में उनके नाम व्यक्तिगत स्पर्धा में 4 स्वर्ण पदक हैं। दीपिका ने एस्टोनिया की रीना को 6-5 से हराया।

मुक्केबाज लवलीना पेरिस ओलंपिक के क्वार्टर फाइनल में पहुंची

पेरिस (ईएमएस)। भारत की लवलीना बोरगोहेन पेरिस ओलंपिक की मुक्केबाजी स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई हैं। लवलीना ने 75 किलो भार वर्ग में नॉर्वे की मुक्केबाज सनीवा हाफ्सटेड को 5-0 से हरा दिया। लवलीना ने इस मुकाबले में पहले ही दौर से आक्रमण शुरु कर दिया। उन्होंने सनीवा हाफ्सटेड पर जमकर मुक्के बरसाये। इस प्रकार इस भारतीय मुक्केबाज ने पहला राउंड 5-0 से जीता। इसके बाद दूसरे राउंड में भी अच्छा प्रदर्शन कर मुकाबला अपने नाम किया।

लवलीना के सामने नॉर्वे की हाफ्सटेड टिक नहीं पायीं। भारतीय बॉक्सर ने पहले और दूसरे राउंड की तरह तीसरा राउंड भी जीत लिया। तीन मुक्केबाजों की हार के बाद बोरगोहेन की जीत से मुक्केबाजी दल को राहत मिली है।

लवलीना ने टोक्यो ओलंपिक में भी कांस्य पदक जीता था। लवलीना ने 75 किलो वर्ग में आने के बाद 2022 में एशियन चैंपियन और 2023 में विश्व चैंपियन का खिताब जीता था।

पेरिस ओलंपिक : टेबल टेनिस के प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं श्रीजा अकुला

पेरिस (ईएमएस)। भारत की श्रीजा अकुला पेरिस ओलंपिक की स्पर्धा के प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंच गयी हैं। पहली बार ओलंपिक खेल रहीं श्रीजा ने राउंड ऑफ 32 मैच में सिंगापुर की जियान झेंग को 4-2 से हराकर अंतिम 16 में जगह बनायी। इसी के साथ ही वह मनिका बत्रा के बाद प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली भारत की दूसरी महिला खिलाड़ी बन गई हैं

श्रीजा ने जियान के खिलाफ छह गेम तक चले मुकाबले के बाद 9-11, 12-10, 11-4, 11-5, 10-12, 12-10 से जीत दर्ज की। श्रीजा अकुला पहला गेम 9-11 से हार गई थीं पर इसके बाद उन्होंने लगातार तीन गेम जीतकर सिंगापुर की खिलाड़ी को बाहर कर दिया। श्रीजा ने दूसरा गेम 12-10 जबकि तीसरा गेम 11-4 से जीता। इसके बाद चौथा गेम 11-5 से जीतकर अपनी बढ़त को बढ़ा दिया। वहीं पांचवें गेम में जियान झेंग ने वापसी करते हुए 12-10 से जीत दर्ज की। इसके बाद श्रीजा ने छठा गेम 12-10 से जीतकर मुकाबला जीत लिया।

वहीं इससे पहले श्रीजा ने अपने पहले मैच में स्वीडन की क्रिस्टीना कालबर्ग को 11-4, 11-9, 11-7,11-8 से हराया था। ये पहली बार है जब टेबल टेनिस की महिला एकल स्पर्धा में भारत की दो खिलाड़ी ओलंपिक के प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंची हैं।

पंघाल सहित तीन भारतीय मुक्केबाज हारे

पेरिस (ईएमएस)। पेरिस ओलंपिक में अब तक भारतीय मुक्केबाजों का प्रदर्शन निराशाजनक रहा है और उसके तीनों मुक्केबाज हार के साथ ही बाहर हो गये हैं। पहले पुरुष वर्ग में अनुभवी अमित पंघाल हारे। इसके बाद महिला मुक्केबाज जैस्मीन लम्बोरिया और प्रीति पवार को भी प्री क्वार्टर फाइनल में हार का सामना करना पड़ा है।

प्रीति महिलाओं के 54 किग्रा वर्ग के प्री क्वार्टर फाइनल में हार के साथ ही बाहर हो गयी। प्रीति को कोलंबिया की येनी मार्सेला एरियास ने 2-3 से हराया। वहीं पंघाल पुरुष 51 किग्रा वर्ग में अपना पहला ही मैच हार गए। पंघाल को जाम्बिया के पैट्रिक चिन्येम्बा ने1-4 से हराया। इसके अलावा पहली बार ओलंपिक में उतरी महिला मुक्केबाज जैस्मीन 57 किग्रा वर्ग में पूर्व विश्व चैंपियन नेस्टी पेटेसियो से 0-5 से हारकर बाहर हो गईं।

पेरिस ओलंपिक के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे लक्ष्य

पेरिस (ईएमएस)। भारत के शीर्ष खिलाड़ियों में शामिल लक्ष्य सेन पेरिस ओलंपिक के पुरुष एकल बैडमिंटन मुकाबले के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गये हैं। लक्ष्य ने इंडोनेशिया के जोनाथन क्रिस्टी को हराकर राउंड ऑफ 16 में प्रवेश किया। लक्ष्य सेन के साथ जोनाथन को ग्रुप एल में रखा गया है। पहले मैच में उन्होंने केविन कॉर्डन को हराया था जबकि दूसरे मुकाबले मे बेल्जियम के जूलियन कैरेगी को पराजित किया। वहीं जोनाथन के खिलाफ पहले गेम में पिछड़ने के बाद लक्ष्य ने जोरदार वापसी करते हुए 21-18 से बढ़त बनाकर जीत हासिल की।

शुरुआती रैली में जोनाथन ने लक्ष्य के खिलाफ 5-1 की बढ़त हासिल कर ली। 4 अंकों से पिछड़ने के बाद लक्ष्य ने जोरदार वापसी की। उन्होंने पिछड़ने के बाद 11-10 की बढ़त हासिल कर ली। मुकाबला 18-18 की बराबरी पर पहुंचा और फिर 3 लगातार अंक हासिल करके लक्ष्य ने 21-18 से पहला गेम जीत लिया।

लक्ष्य के खिलाफ दूसरे गेम में जोनाथन ने बढ़त से शुरुआत की पर एक बार फिर से लक्ष्य ने अच्छी वापसी करते हुए 10-5 की बढ़त हासिल कर ली। 5 अंकों से आगे निकल चुके लक्ष्य ने स्कोर 13-9 पर पहुंचाया।

महिला मुक्केबाज प्रीति पवार हारीं

पेरिस (ईएमएस)। भारतीय महिला मुक्केबाज प्रीति पवार हार के साथ ही पेरिस ओलंपिक से बाहर हो गयी हैं। प्रीति को महिलाओं के 54 किग्रा प्री क्वार्टर फाइनल मुकाबले में कोलंबिया की येनी मार्सेला एरियास ने हराया। इस मुकाबले में उन्हें 2-3 के विभाजित फैसले से हार का सामना करना पड़ा।

वहीं इससे पहले भारत की ही एक अन्य महिला मुक्केबाज जैस्मीन 57 किग्रा वर्ग में हारकर बाहर हो गये थे। जैस्मीन को फिलीपींस की रजत पदक विजेता और पूर्व विश्व चैंपियन नेस्टी पेटेसियो ने 0-5 से हराया वहीं पुरुष वर्ग में अमि पंघाल को 51 किग्रा वर्ग में जाम्बिया के पैट्रिक चिन्येम्बा ने 1-4 से हराया।

सिंधु पेरिस ओलंपिक के क्वार्टर फाइनल में पहुंची

पेरिस (ईएमएस)। भारत की स्टार खिलाड़ी पीवी सिंधु पेरिस ओलंपिक के महिला एकल बैडमिंटन के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गयी हैं। सिंधु ने एस्टोनिया की क्रिस्टिन कुउबा को 21-5 और 21-10 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनायी। वहीं इससे पहले के मैच में सिंधु ने मालदीव की फथीमथ नब्बाह अब्दुल रज्जाक को आसानी से हराया था। दूसरे मुकाबले में अब सिंधु ने कुउबा को हराया है। सिंधु ने कुउबा के खिलाफ शुरुआत से ही आक्रामक अंदाज में खेला। शुरुआती 5 अंक हासिल करते हुए ही भारतीय खिलाड़ी ने 5-0 की बढ़त हसिल कर ली। सिंधु ने 11-2 की बड़ी बढ़त के साथ ही पहला गेम जीता। 14 मिनट में पहला गेम 21-5 से जीतकर सिंधु ने क्वार्टर फाइनल की ओर कदम बढ़ाये।

पहले गेम में मिली हार के बाद कुउबा ने वापसी के प्रयास किये। इस गेम में 7 अंक गंवाने वाली इस खिलाड़ी ने 5 अंक हासिल किए पर अनुभवी सिंधु ने अंत में 15-6 की बढ़त हासिल करते हुए जीत हासिल की। मैच अंक हासिल करने के बाद उन्होंने दो अंक गंवाया लेकिन 21-10 से दूसरा गेम जीतकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनायी।

इस प्रकार सिंधु ने ग्रुप एम में जीत से साथ शुरुआम की है। सिंधु ने पहले मुकाबले में फथीमथ को 21-9, 21-6 से हराया था। इस मैच में सिंधु ने महज 27 मिनट में ही जीत हासिल कर ली थी। कुउबा ने भी पहले ग्रुप मुकाबले में फथीमथ के खिलाफ 21–7 और 21–9 से मुकाबला जीता था।

महिला एकल में 16 ग्रुप में 48 खिलाड़ियों को रखा गया है। हर एक ग्रुप में 3 खिलाड़ी हैं, जिसमें से टॉप पर रहने वाले को नॉकआउट में जाने का मौका मिलेगा। सिंधु ने इससे पहले के ओलंपिक खेलों में रजत ओर कांस्य जीता है और इस बार उनकी नजर स्वर्ण पर रहेगी।

दो मैच शेष रहते हुए पेरिस ओलंपिक के क्वार्टर फाइनल में पहुंची भारतीय हॉकी टीम

पेरिस (ईएमएस)। भारतीय हॉकी टीम का प्रदर्शन इस बार पेरिस ओलंपिक में शानदार रहा है और उसने अपने तीन मैचों में से दो जीते हैं जबकि एक बराबरी पर रहा। इस प्रकार भारतीय टीम ग्रुप बी से दो मैच शेष रहते ही क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बन गयी है। भारत के अलावा बेल्जियम की टीम भी ग्रुप बी से क्वार्टर फाइनल में पहुंची है। भारत के ग्रुप में बेल्जियम, ऑस्ट्रेलिया, अर्जेंटीना, न्यूजीलैंड और आयरलैंड की टीमें हैं। भारत के अब 3 मैच से 7 अंक हैं।

भारत ने आयरलैंड को 2-0 हराकर 3 अंक हासिल किए। इससे वह 7 अंक के साथ ग्रुप में शीर्ष पर पहुंच गयी है। वहीं आयरलैंड और न्यूजीलैंड अब अधिकतम 6 अंक हासिल कर सकते हैं।

पेरिस ओलंपिक के हॉकी इवेंट में दो ग्रुप हैं. हर ग्रुप में 6-6 टीमें हैं. इनमें से 4-4 टीमें क्वार्टर फाइनल में जगह बनाएंगी। अगर ग्रुप बी को देखें तो आयरलैंड और न्यूजीलैंड तभी क्वार्टर फाइनल में पहुंच सकते हैं, जब वे अपने दोनों मैच जीतें और ऑस्ट्रेलिया और अर्जेंटीना अपने मैच हार जाएं। अभी तक की स्थिति यह है कि ग्रुप बी से बेल्जियम और भारत क्वार्टर फाइनल में पहुंच गये हैं। वहीं बाकी दो जगह के लिए ऑस्ट्रेलिया, अर्जेंटीना रेस आगे हैं। ऑस्ट्रेलिया के 6 जबकि अर्जेंटीना के 4 अंक हैं। वहीं बेल्जियम 9 अंक के साथ ग्रुप में शीर्ष पर है। वहीं ग्रुप ए से अबतक केवल नीदरलैंड ही क्वार्टर फाइनल में पहुंची है।

शेयर बाजार बढ़त पर बंद

मुम्बई (ईएमएस)। घरेलू शेयर बाजार बुधवार को तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही धातु, बिजली और वाहन शेयरों में खरीदारी से आया है। इसी कारण आज दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 285.94 अंक करीब 0.35 फीसदी बढ़कर 81,741.34 के शीर्ष स्तर पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 93.85 अंक तकरीबन 0.38 फीसदी ऊपर आकर 24,951.15 के शीर्ष स्तर पर बंद हुआ।

आज के कारोबार में सेंसेक्स के 20 शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आकर बंद हुए। जेएसडब्ल्यू स्टील, एशियन पेंट्स, मारुति, एनटीपीसी और अदाणी पोर्ट्स सेंसेक्स के सबसे अधिक लाभ वाले पांच शेयर रहे। इसके अलावा, भारती एयरटेल, आईटीसी, टेक महिंद्रा, सन फार्मा, कोटक बैंक, टीसीएस, टाटा स्टील, एलएंडटी, एचसीएल टेक, एचयूएल, अल्ट्राटेक सीमेंट, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फिनसर्व, नेस्ले इंडिया और एचडीएफसी बैंक के शेयर ऊपर आये।

दूसरी ओर 10 शेयर नीचे आये हैं। इसमें रिलायंस, टाटा मोटर्स, इंफोसिस, एमएंडएमऔर बजाज फाइनैंस के शेयर सबसे ज्यादा गिर। इसके अलावा, पावर ग्रिड, एक्सिस बैंक, टाइटन, इंडसइंड बैंक और एसबीआई के शेयर भी नीचे आये। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक गत दिवस पूंजी बाजार में शुद्ध विक्रेता रहे, और उन्होंने 5,598.64 करोड़ रुपये की इक्विटी बेची। इसके बाद भी गत दिवस बाजार हल्की बढ़त पर बंद हुआ था। आज सुबह बाजार बढ़त के साथ खुला।

सोने और चांदी की कीमतों में सुधार

नई दिल्ली (ईएमएस)। घरेलू बाजार में बुधवार को सोने ओर चांदी की कीमतों में गिरावट के बाद सुधार आया है और कीमतें बढ़ने लगी हैं। सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन सोने व चांदी के वायदा भाव की शुरुआत बढ़त के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने के वायदा भाव 0.63 फीसदी बढ़कर 69,616 रुपए प्रति 10 ग्राम, जबकि चांदी का वायदा भाव 0.84 फीसदी की बढ़त के साथ ही 83,355 रुपए प्रति किलो पर कारोबार कर रहा था। वहीं गत दिवस कारोबार में सोना 68,610 रुपए और चांदी 82,659 रुपए पर बंद हुई थी। गत सप्ताह सोने-चांदी दोनों ही लगभग 4 से 5 हजार रुपए कम हुए थे पर इस सप्ताह के तीन दिनों में फिर से इनमें अच्छी बढ़त आ गई है।

इसका कारण मांग बढ़ने के साथ ही दुनिया भर के बाजारों में मजबूती आना भी है। वहीं गत दिवस सोने का भाव 550 रुपए की तेजी के साथ 71,600 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। पिछले कारोबारी सत्र में सोना 71,050 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। वहीं 99.5 फीसदी शुद्धता वाले सोने का भाव फिर से बढ़कर 71,250 रुपए प्रति दस ग्राम हो गया। इसका पिछला बंद भाव 70,700 रुपए प्रति 10 ग्राम था।

कीमतों में तेजी की वजह से भारत में सोने की चमक फीकी पड़ती दिख रही है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार अप्रैल-जून तिमाही में सोने की मांग 149.7 टन रही जो पिछले साल की इसी अवधि के 158.1 टन के मुकाबले 5 फीसदी कम है। अप्रैल-जून 2024 में कीमतों के लिहाज से मांग 93,850 करोड़ रुपए रही जो पिछले साल की समान अवधि के 82,530 करोड़ रुपए की तुलना में 14 फीसदी अधिक है। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने में बढ़त बनी हुई है।

गडकरी की अपील........ जीवन बीमा कंपनियों के शेयरों में आया उछाल

मुंबई (ईएमएस)। बुधवार को शेयर बाजार में जीवन बीमा कंपनियों के शेयरों में तेजी देखी गई। इसकी वजह सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी है। दरअसल केंद्रीय मंत्री गडकरी ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से जीवन और स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम पर लगने वाले 18 प्रतिशत जीएसटी को हटाने का अनुरोध किया। विश्लेषकों ने प्रस्ताव की सराहना की है और संबंधित शेयरों के लिए एक पॉजिटिव संकेत माना है।

बाजार जानकारों का कहना है कि खबर के आधार पर अभी निवेश का फैसला लेना जल्दबाजी होगी। यह अभी सिर्फ एक प्रस्ताव है और अंतिम निर्णय जीएसटी काउंसिल के हाथ में है। जानकार का मानना है कि अगर यह प्रस्ताव मान लिया जाता है, तब प्रीमियम पर जीएसटी दरें पूरी तरह से हटने के बजाय कम हो सकती हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि अगर पूरी तरह हटाया गया तब दूसरे क्षेत्रों से भी ऐसी ही मांगें आ सकती हैं।

28 जुलाई को लिखे एक पत्र में, केंद्रीय मंत्री गडकरी ने कहा कि जीवन और स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम पर लगने वाला जीएसटी इस व्यवसाय के विकास में बाधा बन रहा है। उन्होंने कहा कि यह व्यवसाय समाज के लिए जरूरी है। गडकरी ने कहा कि जीवन बीमा प्रीमियम पर जीएसटी लगाना जीवन की अनिश्चितताओं पर कर लगाने जैसा है।

उनका मानना है कि जो व्यक्ति अपने परिवार की सुरक्षा के लिए जीवन की अनिश्चितताओं को लेकर बीमा करवाता है, उस पर इस जोखिम से बचाव के लिए खरीदे गए कवर के प्रीमियम पर टैक्स नहीं लगाया जाना चाहिए। इस खबर के बाद शेयर बाजार में, एचडीएफसी लाइफ के शेयर की कीमत में 3.12 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई और यह 719 रुपये प्रति शेयर पर पहुंच गया। एसबीआई लाइफ के शेयर में 2.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 1,760 रुपये पर पहुंचा। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ के शेयर में 2 प्रतिशत की बढ़त के साथ 739 रुपये और लाइफ इंश्योरेंस कॉरपोरेशन के शेयर में 0.4 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 1,193 रुपये की कीमत दर्ज की गई।

एलटीसीजी कर से सरकार के खजाने में आए 98,681 करोड़ रुपये

नई दिल्ली (ईएमएस)। मोदी सरकार ने राज्यसभा को बताया कि वित्त वर्ष 2022-23 में सूचीबद्ध इक्विटी पर दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ कर (एलटीसीजी) से 98,681 करोड़ रुपये जुटाए हैं, जो बीते वर्ष की तुलना में 15 प्रतिशत की वृद्धि है। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने राज्यसभा में वित्त वर्ष 2018-19 और 2022-23 के बीच दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ (एलटीसीजी) कर से संग्रह का विवरण दिया। उन्होंने बताया कि इक्विटी और इक्विटी ओरिएंटेड म्यूचुअल फंड की इकाइयों पर दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ अप्रैल 2018 से लाया गया था। इस तरह के लाभ पर 10 प्रतिशत कर लगाया गया था, जिसमें सालाना एक लाख रुपये तक के लाभ को छूट दी गई थी। उन्होंने बताया कि 2022-23 में एलटीसीजी से 98,681.34 करोड़ रुपये एकत्र किए गए, जो वित्त वर्ष 2021-22 में एकत्र 86,075.49 करोड़ रुपये से 15 प्रतिशत अधिक है। 2020-21 में यह संग्रह लगभग 38,589 करोड़ रुपये, 2019-20 में 26,008 करोड़ रुपये और 2018-19 में 29,220 करोड़ रुपये था।

ब्रोकरेज फर्म यूबीएस ने निवेशकों को क्यों किया सावधान

नई दिल्ली (ईएमएस)। ब्रोकरेज हाउस और जानकारों की राय पर आंख बंदकर शेयरों व आईपीओ में पैसा लगाने वाले लोगों के लिए आंखें खोलने वाली खबर आई है। दिग्गज ब्रोकरेज फर्म व जानकारों के नाम पर कुछ ठग निवेशकों को चूना लगा रहे हैं। इन नक्कालों ने इंटरनेशन ब्रोकरेज फर्म यूबीएस को भी नहीं छोड़ा। इसके बाद यूबीएस सिक्योरिटीज ने इस बारे में निवेशकों को आगाह किया है। यूबीएस ने कहा, हमें पता चला है कि कुछ अज्ञात और गैर अधिकृत लोग, हमारे ब्रांड, लोगों और कर्मचारियों का नाम व तस्वीर लगाकर फर्जी तरीके से काम कर रहे हैं।

यूबीएस ने कहा कि ये नक्काल लोग शेयरों व आईपीओ में कम समय में हाई रिटर्न देने का वादा करके निवेशकों को गुमराह कर रहे हैं। यूबीएस सिक्योरिटीज इंडिया, एक लिस्टेड संस्था है और ट्रेडिंग से जुड़े इसतरह के काम नहीं करती है। ब्रोकरेज फर्म ने बताया कि वह सिर्फ संस्थागत निवेशकों के लिए ट्रेड करती है। यूबीएस ने निवेशकों को सतर्क कर कहा कि उसके नाम से आने वाले मैसेज और कॉल को लेकर सावधान रहें। अगर कोई व्यक्ति इन फर्जी कॉल और स्टॉक टिप्स का शिकार होता है, तब ब्रोकरेज फर्म उसके लिए जिम्मेदार नहीं होगी। ब्रोकरेज हाउस ने कहा कि अगर आपके ध्यान में इस तरह की गतिविधि आती है, तब तुरंत पुलिस और साइबर सेल को सूचित करें।

खाते में मिनिमम बैलेंस न होने पर बैंकों ने ग्राहकों से वसूले 2,331 करोड़

नई दिल्ली,(ईएमएस)। बैंकों ने लोगों से खाते में मिनिमम बैलेंस न होने पर करोड़ों रुप, वसूले हैं। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को छोड़कर 11 सरकारी बैंकों ने पिछले साल खाताधारकों से 2,331 करोड़ रुपए वसूले। यह पैसे उन लोगों से लिए गया है जिनके खाते में तय रकम से कम पैसे थे। पिछले तीन सालों में इन बैंकों ने इसी वजह से कुल 5614 करोड़ रुपए वसूले हैं। एसबीआई ने हालांकि साल 2020 से ही ये चार्ज लेना बंद कर दिया है।

सरकारी बैंकों में पंजाब नेशनल बैंक ने सबसे ज्यादा 633.4 करोड़ रुपए वसूले। बैंक ऑफ बड़ौदा ने 386.51 करोड़ रुपए और इंडियन बैंक ने 369.16 करोड़ रुपए लोगों से वसूले हैं। प्राइवेट बैंकों भी इस तरह के जुर्माने लगाते हैं, लेकिन उनकी रकम सरकारी बैंकों से ज्यादा होती है।

हालांकि, सरकार ने कुछ बेसिक बचत बैंक खातों (बीएसबीडीए) के लिए ये नियम नहीं बनाए हैं। इन खातों में बिना किसी पैसे के भी खाता खुलवाया जा सकता है और आप जितना चाहें उतना पैसा जमा कर सकते हैं। महीने में चार बार आप पैसे निकाल सकते हैं लेकिन बाकी खातों के लिए बैंक अपने नियम बना सकते हैं और ग्राहकों से अलग-अलग तरह की सेवाओं के पैसे ले सकते हैं। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने साल 2014 और 2015 में कुछ नियम बनाए थे जिनके मुताबिक बैंक अपने ग्राहकों से खाते में कम पैसे रखने पर जुर्माना ले सकते हैं लेकिन ये जुर्माना तय नियमों के हिसाब से ही होना चाहिए। बैंक अपने ग्राहकों को खाता खोलते समय बताते हैं कि उनके खाते में कम से कम कितने पैसे होने चाहिए।

अगर बाद में ये नियम बदलते हैं तो भी बैंक ग्राहकों को इसकी जानकारी देते हैं। अगर किसी के खाते में कम पैसे होते हैं तो बैंक उन्हें पहले ही बता देते हैं। अगर ग्राहक एक महीने के अंदर अपने खाते में पैसे नहीं जमा करते हैं तो बैंक उनसे जुर्माना ले सकते हैं लेकिन बैंक ये भी तय करते हैं कि जुर्माने की वजह से किसी के खाते में पैसों का घाटा न हो।

भारतीय महिला तीरंदाज भजन जीत के साथ ही अंतिम16 में पहुंची ,अंकिता हार के साथ ही बाहर हुई

पेरिस (ईएमएस)। भारतीय महिला तीरंदाज भजन कौर पेरिस ओलंपिक की तीरंदाज स्पर्धा के अंतिम 16 में पहुंच गयी हैं। भजन ने महिला एकल में पोलैंड की वियोलेटा मैसजोर को 6-0 से हराकर अंतिम 16 में जगह बनायी। भजन ने भजन ने दिन के अपने पहले मैच में इंडोनेशिया की साइफा नूरफीफा कमाल को 7-3 से हराने के बाद वियोलेटा के खिलाफ अपनी लय जारी रखते हुए आसानी से जीत हासिल की। भजन ने वियोलेट के खिलाफ पहले सेट और तीसरे सेट में 10 अंक वाले एक-एक और दूसरे सेट में दो स्टीक निशाने लगाकर बढ़त हासिल की। उन्होंने 28-23, 29-26, 28-22 से आसानी से जीत हासिल की। अंतिम 64 चरण में भजन को शुरुआती सेट में साइफा के साथ अंक साझा करने पड़े। इसके बाद साइफा दूसरा सेट जीतकर हावी हो गयीं। भजन ने इसके बाद अच्छा खेल दिखाने के साथ ही तीसरे सेट में अच्छी वापसी करते हुए 10-10 के दो निशाने के साथ 29 का स्कोर किया। भजन ने चौथे सेट में साइफा के 25 के मुकाबले 27 अंक हासिल कर 5-3 की बढ़त बनायी और फिर आखिरी सेट में 25 के मुकाबले 28 अंक बनाकर जीत तय कर दी।

वहीं भारत की ही अंकिता क्वालीफिकेशन में 11वें स्थान पर रहीं लेकिन वह पोलैंड की वियोलेटा मैसजोर से महिला एकल में हार गयी। अंकिता ने पोलैंड की खिलाड़ी के खिलाफ शुरुआत में बढ़त ली पर बाद में वह लय खो बैठी। पहला सेट हारने के बाद अंकिता ने दूसरे और तीसरे सेट को जीत कर अच्छी वापसी का प्रयास किया पर पोलैंड की निशानेबाज ने अंतिम दो सेट में शानदार प्रदर्शन कर जीत दिला दी।

नाराज अधीर रंजन चौधरी भाजपा में जाने की तैयारी में ?

नई दिल्ली (ईएमएस)। पश्चिम बंगाल कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी पार्टी बीजेपी का दामन थाम सकते हैं। पहले से ही पार्टी से खफा चल रहे पश्चिम बंगाल कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में कांग्रेस के पूर्व नेता अधीर रंजन चौधरी की नाराजगी और बढ़ गई है। इस नाराजगी की बड़ी वजह यह है कि उन्हें बिना बताए बंगाल कांग्रेस के अध्यक्ष पद से हटा दिया गया है। लोकसभा चुनाव में हारने के बाद वे पार्टी में अलग थलग पड़ गए हैं।

कांग्रेस का एक बड़ा खेमा अधीर रंजन से नाराज है। खास तौर पर ममता बनर्जी के खिलाफ उन्होंने मोर्चा खोला जिसके नतीजे में बंगाल में टीएमसी और कांग्रेस का गठबंधन नहीं हो पाया। तभी तो अधीर रंजन चौधरी कहते हैं कि, एक टीवी इंटरव्यू में मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा अगर मुझे बाहर रखना जरूरी हुआ तो रख देंगे। यह मुझे अच्छा नहीं लगा, दुख लगा। मैं अध्यक्ष तो था ही पर मेरी राय को उतनी अहमियत नहीं दी गई। इस पर बंगाल बीजेपी के सांसद जगन्नाथ सरकार ने कहा कि ममता का विरोध करने की कीमत अधीर को चुकानी पड़ी। लोकसभा चुनाव के दौरान टीएमसी और कांग्रेस के बीच गठबंधन को लेकर प्रदेश नेतृत्व में मतभेद था। टीएमसी ने शुरुआत में तो गठबंधन की बात कही लेकिन बाद में अधीर के बयान से बात बिगड़ गई। रही सही कसर अधीर रंजन के लोकसभा चुनाव हारने से पूरी हो गई। अधीर रंजन ने हार की जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा भी दे दिया था।

अब टीएमसी एक बार फिर अधीर रंजन पर हमला बोल रही है। टीएमसी के नेता कल्याण बनर्जी केंद्र में इंडिया गठबंधन की सरकार न बनने का जिम्मेदार अधीर रंजन को मानते हैं। कल्याण बनर्जी तो यहां तक कहते हैं कि अधीर रंजन बीजेपी के एजेंट हैं। हालांकि कांग्रेस के नेता तारिक अनवर कहते हैं कि अधीर रंजन के बारे में जो आरोप लगा रहे हैं वह सही नहीं है। वे बीजेपी में जाने की बेवकूफी नही करेंगे।

कांग्रेस कोषाध्यक्ष पर ईडी का छापा

शिमला(ईएमएस)। प्रवर्तन निदेशालय की टीम ने बुधवार को हिमाचल, चंडीगढ़, पंजाब समेत 19 जगहों पर छापेमारी की। हिमाचल में 40 वाहनों में 150 अधिकारियों की टीम कांगड़ा और ऊना में अलग अलग जगह दस्तावेज खंगाल रही है। ईडी की टीम आयुष्मान भारत योजना में अनियमितताओं को लेकर नगरोटा बगवां से कांग्रेस विधायक आरएस बाली के घर और उनके निजी फोर्टिस अस्पताल की जांच कर रही है। इसके अलावा टीम देहरा से 2022 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी और प्रदेश कांग्रेस कोषाध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा के घर और उनके बालाजी अस्पताल में दस्तावेज खंगाल रही है।

साधना सक्सेना आर्मी मेडिकल सर्विस की पहली महिला डीजी होंगी

नई दिल्ली(ईएमएस)। लेफ्टिनेंट जनरल साधना सक्सेना नायर को बुधवार को आर्मी की मेडिकल सर्विस का डायरेक्टर जनरल बनाया गया है। साधना 1 अगस्त से पदभार संभालते ही, इस पद पर काम करने वाली पहली महिला बन जाएंगी।

पिछले साल अक्टूबर में वायुसेना में एयर मार्शल पद पर प्रमोट किए जाने के बाद साधना को हॉस्पिटल सर्विसेस (आम्ड फोर्सेज) की डायरेक्टर जनरल बनाया गया था। इस पद नियुक्त होने वाली भी वे पहली महिला अधिकारी थीं। साधना वायुसेना की दूसरी महिला मेडिकल ऑफिसर हैं, जो एयर मार्शल रैंक तक पहुंची हैं। इससे पहले साधना को एयर फोर्स ट्रेनिंग कमांड बेंगलुरु हेड क्वार्टर से दिल्ली प्रमोशनल ट्रांसफर किया गया था। वहीं उनके पति केपी नायर 2015 में इंस्पेक्शन एंड फ्लाइट सेफ्टी के डीजी पद से रिटायर हो चुके हैं। इस तरह साधना और केपी नायर एयर मार्शल रैंक तक पहुंचने वाले देश के पहले कपल हैं।

पाकिस्तान में घर से लेकर बाहर तक कलह ही कलह

इस्लामाबाद(ईएमएस)। बीजिंग हर परिस्थिति और हर हालात में इस्लामाबाद का साथ देता आ रहा है। यह जानते हुए भी कि पाकिस्तान आतंकवाद के लिए सुरक्षित पनाहगाह है, चीन लगातार समर्थन करता रहा है। हालांकि, लगता है अब दोनों देशों के बीच सबकुछ ठीक-ठाक नहीं है। चीन के जिस जाल में अफ्रीका से लेकर श्रीलंका तक जैसे देश फंस चुके हैं, अब पाकिस्तान भी उसका शिकार बन चुका है। चीन-पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर के तहत दोनों देशों के बीच एनर्जी सेक्टर में एक करार हुआ था, जिसके तहत इस्लामाबाद को निर्धारित समय पर कर्ज की रकम चुकानी थी। पाकिस्तान का खजाना खाली है, ऐसे में वह शर्तों के अनुसार लोन की राशि नहीं चुका पा रहा है। वहीं, चीनी कंपनियां अब पाकिस्तान में और पावर प्लांट लगाने से कतरा रही हैं तो दूसरी तरफ चीन सरकार लोन रिपेमेंट में ढिलाई बरतने के मूड में नहीं दिख रहा है।लोन की बकाया राशि के लिए चीन की ओर से पाकिस्तान पर लगातार दबाव बना रहा है। हालात को देखते हुए पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार ने अपने दो मंत्रियों को बीजिंग भेजा है। पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट की मानें तो पहले चीन इस मसले पर बातचीत के लिए ही तैयार नहीं था, बाद में इसकी अनुमति दी गई।

चीन में प्यार और रोमांस को बेचा जा रहा है रुपये लेकर -सड़क पर रेट कार्ड लेकर बैठीं लड़कियां

बीजिंग (ईएमएस)। आप अब तक किराये पर मिलने वाली चीजों के तौर पर घर, सामान और कपड़ों के बारे में ही जानते होंगे लेकिन आजकल रिश्ते भी भाड़े पर मिल जाते हैं। पड़ोसी देश चीन में प्यार और रोमांस के छोटे-छोटे लम्हे – जैसे किस करना, गले लगना, फिल्म देखना, साथ खाना बनाना आदि दुकान लगाकर बेचा रहा है।

इन्हें खरीदने वालों की कोई कमी नहीं है। आपने दुकानें तो बहुत देखीं होंगी लेकिन शायद ही कोई दुकान देखी हो, जिस पर खुलेआम 'प्यार' बिक रहा हो। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक पड़ोसी देश चीन की सड़कों पर ऐसे कई स्टॉल्स मिल जाएंगे, जहां प्यार का इज़हार माने जाने वाली भावनाएं बिक रही हैं।

यहां बाकायदा लड़कियां रेटकार्ड सजाकर बैठी हुई होती हैं, जिन पर 'किस' से लेकर 'गले लगाने', 'ड्रिंक करने', 'साथ फिल्म देखने' तक की सर्विसेज़ बेची जा रही हैं। इसके लिए ग्राहकों से 11 रुपये से लेकर 461 रुपये तक का चार्ज रखा गया है। चीन के सोशल मीडिया वीबो पर सड़क पर स्टॉल लगाकर बैठ रहीं गर्लफ्रेंड्स की तस्वीरें और वीडियो छाए हुए हैं। हाल ही में शेंज़ेन की सड़क पर इमोशनल कनेक्शन को बेच रही लड़कियों की कुछ तस्वीरें वायरल हुईं।

पेड कम्पेनियनशिप के इस आइडिया से लड़कियां पैसे कमा रही हैं, लेकिन इसमें किसी तरह का अंतरंग संबंध शामिल नहीं होता। गले लगने के लिए सिर्फ 11 रुपये (1 युआन) देने होते हैं, जबकि किस करने के लिए 110 रुपये (10 युआन), फिल्म देखने के लिए 150 रुपये (15 युआन) देने होते हैं।

अगर कोई साथ में घर के काम करना चाहे तो 2000 रुपये (20 युआन) और एक घंटे की ड्रिंक के लिए 4100 रुपये (40 युआन) देने होते हैं। लोग इस पर अलग-अलग प्रतिक्रिया दे रहे हैं। किसी का कहना है कि स्ट्रीट गर्लफ्रेंड का कॉन्सेप्ट सही है तो कुछ का कहना है कि ये महिलाओं की बेइज़्ज़ती है। बता दें कि हममें से बहुत से लोग ऐसे होते हैं, जो रिलेशनशिप से इसलिए भागते हैं क्योंकि वो कमिटेड नहीं होना चाहते। उन्हें प्यार और जज़्बात तो चाहिए, लेकिन किसी कमिटमेंट के साथ बिल्कुल नहीं।

4 साल बाद मिल जाएंगे एलियंस और सौर मंडल में मिलेगा जीवन

वॉशिंगटन (ईएमएस)। जीवित नास्त्रेदमस के नाम से मशहूर एथोस सैलोमे की अब तक कई भविष्यवाणियां सही साबित हुई हैं। ब्रिटेन की महारानी क्वीन एलिजाबेथ द्वितीय के मौत की भविष्यवाणी भी वह कर चुके हैं। वहीं एलन मस्क के ट्विटर खरीदने, स्पेन के यूरो 2024 जीतने समेत तीसरे विश्वयुद्ध की भविष्यवाणी उन्होंने की है। अब वह एलियन को लेकर भी बड़े-बड़े दावे कर रहे हैं।

पिछले महीने उन्होंने दावा किया था कि 2026 और 2028 के बीच विदेशी जीवन की खोज के लिए सरकारों और धार्मिक निकायों को नैतिक विचारों के सामना करने की जरूरत होगी। रिपोर्ट के मुताबिक साल 2028 लोगों के बीच अन्य ग्रह के निवासियों के अस्तित्वकी मान्यता को चिह्नित करेगा। उन्होंने कहा कि आधुनिक दुनिया में वैज्ञानिकों के शोध ने साबित कर दिया है कि ये भविष्यवाणियां सही हो सकती हैं। उन्होंने यह भी बताया कि आखिर वैज्ञानिकों को जीवन कहां मिलेगा।

एथोस का कहना है कि नासा और यूरोपीय स्पेस एजेंसी बृहस्पति के चंद्रमा यूरोपा पर समुद्र की गहराई में जीवन की खोज करेंगे। 2026 और 2028 के बीच होने वाली इस खोज में ऐसे जीव शामिल होंगे जो पृथ्वी पर ज्ञात किसी भी चीज की तुलना में जैविक रूप से कहीं ज्यादा जटिल होंगे। एथोस की भविष्यवाणी ऐसे समय में हुई है, जब हाल ही में वैज्ञानिकों ने प्रशांत महासागर के समुद्र तल पर आलू जैसी असामान्य गांठों की खोज की है, जो पूर्ण अंधेरे में ऑक्सीजन का उत्पादन करते हैं। पृथ्वी पर जीवन की शुरुआत को लेकर यह हमारी वर्तमान समझ को चुनौती देता है।

भारत ने विश्व धरोहर समिति की 46वीं ऐतिहासिक बैठक की मेजबानी की

नई दिल्ली (ईएमएस)।

केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने धरोहर के संरक्षण के प्रति भारत की संकल्पबद्धता को रेखांकित करते हुए कहा कि भारत लंबे समय से विश्व धरोहर सम्मेलन के मूल्यों की वकालत करता रहा है। विश्व धरोहर समिति की 46वीं बैठक के सफल समापन पर आज यहां आयोजित प्रेस ब्रीफिंग में उन्होंने कहा, ''हमारी प्रतिबद्धता सीमाओं से परे है, जो पड़ोसी देशों के साथ हमारे विभिन्न संरक्षण और क्षमता निर्माण संबंधी कदमों के माध्यम से परिलक्षित होती है।''

भारत ने 21 से 31 जुलाई, 2024 तक पहली बार विश्व धरोहर समिति की बैठक के 46वें सत्र की मेजबानी की। नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित यह महत्वपूर्ण कार्यक्रम 1977 में आरंभ हुए विश्व धरोहर सम्मेलन के साथ भारत की दीर्घकालिक सहभागिता की दिशा में एक उपलब्धि साबित हुआ है। चार कार्यकालों तक विश्व धरोहर समिति में भारत की सक्रिय भागीदारी, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और क्षमता निर्माण के प्रति उसके समर्पण को रेखांकित करती है।

विश्व धरोहर समिति की बैठक के 46वें सत्र का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 21 जुलाई 2024 को विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति में किया। विकास भी, विरासत भी के अपने विजन के अनुरूप प्रधानमंत्री श्री मोदी ने उद्घाटन सत्र में यूनेस्को विश्व धरोहर केंद्र को 1 मिलियन डॉलर के अनुदान की घोषणा की। यह योगदान क्षमता निर्माण, तकनीकी सहायता और संरक्षण के प्रयासों में सहायता देगा ।

केंद्रीय संस्कृति मंत्री ने अपनी ब्रीफिंग में कहा, ''बीते 10 वर्षों में भारत ने आधुनिक विकास के नए आयाम छूए हैं, साथ ही विरासत पर गर्व का संकल्प भी लिया है।'' उन्होंने देश भर में चल रही काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, अयोध्या में राम मंदिर और प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय के आधुनिक परिसर के निर्माण जैसी कई धरोहर संरक्षण परियोजनाओं का उल्लेख किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत के प्रयासों से पिछले दशक में 13 विश्व धरोहर संपत्तियों को सफलतापूर्वक सूचीबद्ध किया गया है, केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने सत्र के परिणामों के बारे में मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि विश्व धरोहर सम्मेलन के 46वें सत्र में 24 नए विश्व धरोहर स्थलों को सूचीबद्ध किया गया, जिनमें 19 सांस्कृतिक, 4 प्राकृतिक और 1 मिश्रित संपत्ति शामिल हैं। असम का मोईदाम्स भारत का 43वां विश्व धरोहर स्थल बन गया, जो एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है क्योंकि यह असम का पहला ऐसा सांस्कृतिक स्थल है जिसे यह मान्यता मिली है। चराईदेव जिले में स्थित, मोईदाम्स अहोम राजवंश के दफनाने वाले पवित्र टीले हैं, जो छह शताब्दियों के सांस्कृतिक और स्थापत्य विकास को दर्शाते हैं।

केंद्रीय संस्कृति मंत्री ने द्विपक्षीय बैठकों की चर्चा करते हुए बताया कि भ ारत और अमेरिका के बीच सांस्कृतिक संपत्ति समझौते पर हस्ताक्षर किए गए, जिससे सांस्कृतिक संपत्ति में अवैध व्यापार से निपटने की प्रतिबद्धता को बल मिला। इसके अतिरिक्त, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने क्षमता निर्माण और मूर्त धरोहर पर शोध के लिए आईसीसीआर ओएम के साथ समझौता किया। डब्ल्यूए चसी के 46वें सत्र में युवा धरोहर पेशेवर मंच और साइट प्रबंधक मंच भी शामिल हुए,जिससेधरोहरसंरक्षणमें वैश्विक विश ेषज्ञता में वृद्धि हुई। इस बैठक के दौरान अन्य 33 कार्यक्रम आयोजित किए गए।

केंद्रीय मंत्री ने विश्व धरोहर समिति की 46वीं बैठक के दौरान लगाई गई महत्वपूर्ण प्रदर्शनी का विशेष उल्लेख किया, जिसमें 25 प्रत्यावर्तित ऐतिहासिक वस्तुओं को प्रदर्शित किया गया, जो सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करने के प्रति भारत के समर्पण को दर्शाता है। वैश्विक धरोहर के संरक्षण में भारत के योगदान को रेखांकित करते हुए श्री शेखावत ने कंबोडिया के अंगकोर वात, वियतनाम के चाम मंदिरों और म्यांमार के बागान के स्तूपों में भारत के धरोहर संरक्षण प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि नए शामिल किए गए मोईदाम सहित 43 विश्व धरोहर स्थलों की उल्लेखनीय सूची के साथ, धरोहर संरक्षण के संबंध में भारत वैश्विक स्तर पर अग्रणी बना हुआ है। उन्होंने कहा कि 56 संपत्तियों की विशाल संभावित सूची भारत के सांस्कृतिक स्पेक्ट्र म का व्यापक प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करती है।

संस्कृति के वैश्विक महत्व को बढ़ाने में भारत के विशिष्ट योगदान पर बल देते हुए केंद्रीय मंत्री ने इस बात को रेखांकित किया कि जी-20 की भारत की अध्यक्षता के तहत, नेताओं के नई दिल्ली घोषणापत्र 2023 (एनडीएलडी) ने 2030 के बाद के विकास के प्रारूप में संस्कृति को एक स्वतंत्र लक्ष्य के रूप में समर्थन दिया, जो वैश्विक विकास रणनीति में व्यापक बदलाव को दर्शाता है। यह ऐतिहासिक निर्णय संस्कृति की परिवर्तनकारी क्षमता को दर्शाता है, आर्थिक विकास को बढ़ावा देता है, हाशिए पर पड़े समुदायों को सशक्त बनाता है और असुरक्षित धरोहर की रक्षा करता है।

राष्ट्रपति मैक्रों ने खेल मंत्री को किया किस, दुनिया भर में चर्चा

पेरिस (ईएमएस)। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों (46) का एक किस इन दिनों फ्रांस में चर्चा का विषय बना हुआ है। पेरिस ओलंपिक 2024 के उद्घाटन समारोह में मैक्रों ने अपनी खेल मंत्री को किस किया है। इस अंतरंग किस के बारे में पूरे शहर में चर्चा जोरों पर है।

फोटो में 46 साल की एमेली को मैक्रों की गर्दन को चूमते हुए दिखाया गया है, जबकि उनका एक हाथ उनकी गर्दन के चारों ओर लिपटा हुआ है। उनका दूसरा हाथ फ्रांस के राष्ट्रपति के हाथ को पकड़े हुए है। फोटो में प्रधानमंत्री गेब्रियल अट्टल भी अपनी नजरें फेरते हुए दिखाई दे रहे हैं। अंतरंग चुंबन की तस्वीरों को एक्स पर 4 मिलियन से ज्यादा बार देखा गया है। इस चुंबन ने फ्रांस में भी लोगों को चौंका दिया है। जबकि फ्रांस में चुंबन अक्सर अभिवादन का एक सामान्य तरीका है।

इस्लाम के नाम पर आतंकवाद की पैरवी करने वाले अंजेम चौधरी को आजीवन कारावास

लंदन(ईएमएस)। इस्लाम के नाम पर बड़े बड़े उपदेश देकर युवाओं को बहकाने वाले ब्रिटिश-पाकिस्तानी उपदेशक अंजेम चौधरी को आतंकवादी संगठन चलाने का दोषी पाते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है।चौधरी को पिछले सप्ताह अल-मुहाजिरून(एएलएम) चलाने का दोषी पाया गया था। इस संगठन को एक दशक से भी अधिक समय पहले आतंकवादी संगठन मानते हुए प्रतिबंधित कर दिया गया था। जस्टिस मार्क वॉल ने ब्रिटिश-पाकिस्तानी उपदेशक के लिए आजीवन कारावास की सजा की घोषणा की है। उसे कम से कम 28 साल की सजा होगी।

वॉल ने लंदन के वूलविच क्राउन कोर्ट में चौधरी से कहा कि एएलएम जैसे संगठन ऑनलाइन कार्यक्रमों के माध्यम से हिंसा की बात करते हैं। जज ने कहा, उनका अस्तित्व उन व्यक्तियों को साहस देता है जो उनके सदस्य हैं। वे उन लोगों के बीच दरार पैदा करते हैं जो शांतिपूर्ण तरीके से एक साथ रह सकते हैं। चौधरी के वकील पॉल हाइन्स ने तर्क दिया कि यह समूह एक संगठन से ज्यादा कुछ नहीं है और इससे जुड़े लगभग सभी हमले पहले ही हो चुके हैं। ब्रिटेन, संयुक्त राज्य अमेरिका और कनाडा की पुलिस ने संयुक्त जांच के बाद सबूत इकट्ठा किए कि अंजेम चौधरी न्यूयॉर्क में स्थित अनुयायियों के साथ ऑनलाइन व्याख्यानों के माध्यम से एएलएम चला रहा था। अभियोजकों ने कहा कि इस समूह ने कई नामों से काम किया है। न्यूयॉर्क स्थित इस्लामिक थिंकर्स सोसाइटी भी इसी का हिस्सा है।

न्यूयॉर्क की डिप्टी पुलिस कमिश्नर रेबेका वेनर ने मामले को ऐतिहासिक करार दिया और कहा कि इस्लामिक थिंकर्स सोसाइटी एएलएम की अमेरिकी शाखा थी। चौधरी को उसके एक अनुयायी खालिद हुसैन के साथ दोषी ठहराया गया है। अभियोजकों के अनुसार, वह समूह का एक समर्पित समर्थक भी था।

कनाडा के एडमोंटन के रहने वाले हुसैन को प्रतिबंधित संगठन की सदस्यता लेने का दोषी पाया गया। उसे पांच साल की जेल की सजा सुनाई गई। हुसैन के हीथ्रो हवाई अड्डे पर उतरने के एक साल बाद दोनों को गिरफ्तार किया गया था।

क्या फिर होगा पाकिस्तान का बंटबारा......हालात दिख रहे

इस्लामाबाद (ईएमएस)। पाकिस्तान के बलोचिस्तान में सरकार के खिलाफ प्रदर्शन देखा जा रहा है। बलोच कार्यकर्ता महरंग बलोच ने ग्वादर में प्रदर्शन पर बैठ गई हैं। पाकिस्तानी अधिकारी उन्हें हटाने की कोशिश में लगे हैं, लेकिन कामयाबी नहीं मिली। बलूचों का कहना है कि पाकिस्तान सरकार बंदूकों के जरिए उन्हें डराना चाहती है, लेकिन वह ऐसा नहीं होने दिया जाएगा। बलूचों का आरोप है कि पाकिस्तान और चीन मिलकर बलोचिस्तान के संसाधनों पर कब्जा कर रहे हैं। वहीं कई एक्सपर्ट्स का मानना हैं कि ये प्रदर्शन उसी तरह हैं, जिसने पूर्वी पाकिस्तान को तोड़कर बांग्लादेश बना दिया था।

जानकार ने कहा कि यहा प्रदर्शन हमेशा होते रहे हैं, जो लीडरशिप को बदलते रहे हैं। आज के समय कई प्रदर्शन महिलाएं लीड कर रही हैं और ऐसा ही कुछ हमें बलोचिस्तान में देखने को मिलता है। उन्होंने कहा, बलोचिस्तान की पॉलिटिस में बहुत कुछ बदल रहा है। महिलाओं और युवाओं को आगे किया जा रहा है, जो कि सॉफ्ट बेस हैं। बलोचिस्तान की कई छात्राएं मारी गई, अरेस्ट हुईं और प्रदर्शन में हिस्सा लिया, जो कुछ नया नहीं है।

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में कोई भी प्रदर्शनकारी सरकार की बातचीत पर भरोसा नहीं करता। उन्हें पता हैं कि पाकिस्तान सरकार की ओर से लिखित में भी शर्तें मान ली जाती हैं। लेकिन बाद में वे पलट जाते हैं। उन्होंने कहा, बलोचिस्तान के प्रदर्शन में अगर उनकी मांगें देखी जाएं तब वह कुछ भी ऐसा नहीं है, जिसे न माना जाए। वे अपने हक की बात कर रहे हैं। लेकिन पाकिस्तान में लोग खुद मान रहे हैं, जैसे बलूचों ने खुद को अलग करने की मांग कर ली है।

जानकार कहते हैं कि हमारे लोकतंत्र में बलोचिस्तान है। लेकिन उन्हें यह हक नहीं दिया गया कि वह खुद का फैसला कर सके। हर किसी को पता है कि यह कठपुतली सरकार है। जो लोग प्रदर्शन कर रहे हैं उनमें से कई लोगों के परिवार वालों ने सरकार के खिलाफ बंदूक उठा रखी है।

बांग्लादेश जैसा होगा हाल?

उन्होंने कहा, बलूचिस्तान को इतनी आजादी दी जाए कि वह खुद का फैसला ले सके तब कोई दिक्कत नहीं होगी। इसमें समस्या ये है कि सरकार को लगता है कि पाकिस्तान विरोधी लोग सदन में आएंगे और वे फैसले जो उन्हें पसंद नहीं आएंगे। यह बांग्लादेश वाली बात है। वह भी अपने हक और सरकार मान रहे थे। आपने पहले ही सोच कर रखा होता है कि आपको नहीं मानना, जिसके नुकसान बाद में देखने पड़ते हैं।

जयंती रवि फिर लौटीं गुजरात!

१८ आईएएस अधिकारियों का एक साथ तबादला आदेश

गांधीनगर, ३१ जुलाई । गुजरात सरकार आईएएस स्थानांतरण आदेश: लोकसभा चुनाव के बाद गुजरात में एक साथ १८ आईएएस अधिकारियों का तबादला कर दिया गया है । गुजरात में बदलावों का सिलसिला शुरू हो गया है, एक बार फिर गुजरात की प्रशासनिक व्यवस्था में भारी बदलाव हुआ है. बड़े पैमाने पर आईएएस अधिकारियों में भारी बदलाव किये गये हैं. वरिष्ठ १८ आईएएस अधिकारियों के तबादले का आदेश दिया गया है. अपर मुख्य सचिव सुनयना तोमर को शिक्षा, उच्च शिक्षा एवं तकनीकी विभाग में पदस्थ किया गया है । खास बात यह है कि जयंती रवि को वापस गुजरात लाया गया है.

गुजरात के १८ वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों का तबादला आदेश: अतिरिक्तमुख्य सचिव सुनयना तोमर को शिक्षा, उच्च शिक्षा और तकनीकी विभाग में तैनात किया गया है, अतिरिक्तमुख्य सचिव एमके दास को मुख्यमंत्री कार्यालय में तैनात किया गया है और गृह विभाग के अतिरिक्तमुख्य सचिव का प्रभार दिया गया है ।

राज्य सरकार द्वारा किए गए तबादलों में सुनयना तोमर, पंकज जोशी, मनोज कुमार दास, जयंती रवि, पी. स्वरूप, अंजुशर्मा, एस.जे. हैदर, जगदीश प्रसाद गुप्ता और डॉ. टी. नटराजन, राजीव टोपनो, राकेश शंकर, के.के. निराला, राजेश मंजू, एएम शर्मा, ममता वर्मा और मुकेश कुमार । पॉंडिचेरी से वापस बुलायी गयी जयंती रवि को राजस्व विभाग का अतिरिक्त मुख्य सचिव बनाया गया है ।

आईएएस अधिकारियों के तबादले में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की अतिरिक्त सचिव सुनैना तोमर को शिक्षा विभाग का अतिरिक्त सचिव नियुक्त किया गया है । उन्हें सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव का अतिरिक्तकार्यभार भी सौंपा गया है । मुख्यमंत्री कार्यालय के अतिरिक्तसचिव पंकज जोशी को बंदरगाह एवं परिवहन विभाग का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है । जबकि राजस्व विभाग के प्रधान अपर सचिव मनोज कुमार दास को गृह विभाग में रखा गया है.

वरिष्ठ १८ आईएएस अधिकारियों के तबादले इस प्रकार हैं, आईएएस सुनैना तोमर को एसीएस शिक्षा विभाग के पद पर तबादला, अतिरिक्त प्रभार एसीएस सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता आईएएस पंकज जोशी को बंदरगाह-परिवहन का अतिरिक्त प्रभार

आईएएस एमके दास का तबादला सीएमओ पद पर कर दिया गया है एमके दास को गृह विभाग के एसीएस का अतिरिक्त प्रभार

आईएएस डॉ. जयंती रवि राजस्व विभाग की एसीएस

डॉ. जयंती रवि प्रतिनियुक्ति पर गुजरात लौटेंगी

प्रतिनियुक्ति से लौटने तक पी फॉर्म का प्रभार

आईएएस अंजू शर्मा को कृषि विभाग का एसीएस बनाया गया

आईएएस एसजे हैदर को पेट्रो-एनर्जी विभाग सौंपा गया

आईएएस जेपी गुप्ता का आदिवासी विभाग में तबादला

आईएएस विनोद राव का श्रम एवं रोजगार विभाग में तबादला

आईएएस डॉ. टी नटराजन बने वित्त विभाग के प्रधान सचिव

प्रतिनियुक्ति से लौटने तक राजीव टोपनो को प्रभार

ममता वर्मा को प्रधान सचिव उद्योग, खान एवं खनिज बनाया गया

राजीव टोपनो राज्य के मुख्य आयुक्त, कर के रूप में

राजीव टोपनो प्रतिनियुक्ति से लौटे हैं

मुकेश कुमार, प्रधान सचिव, प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षा

डॉ.एस.मुरलीकृष्ण ओएसडी आयुक्त, राज्य निर्वाचन आयोग

डॉ अनुपम आनंद का तबादला परिवहन आयुक्त के पद पर किया गया है

डॉ. अनुपम आनंद को जीएसआरटीसी का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है

राजेश मांजू को राजस्व निरीक्षण आयुक्त बनाया गया है

बाल महिला विभाग के आयुक्त आईएएस राकेश शंकरसचिव जीएडी के रूप में राकेश शंकर के सचिवालय प्रभारीआईएएस केके निराला का तबादला वित्त विभाग के सचिव पद पर किया गया आईएएस एएम शर्मा को राज्यपाल का प्रधान सचिव बनाया गया

पूरे घटनाक्रम का राज अहमदाबाद तक पहुंच गया

१०० करोड़ से ज्यादा की एक्सपोर्टेड मेडिकल ड्रग जब्त

कच्छ, ३१ जुलाई । कच्छ के मुंद्रा बंदरगाह से कई बार विभिन्न प्रकार की दवाओं की खेप प्राप्त हुई है । लेकिन दवा के रूप में यह पहली खेप होगी, इसकी जानकारी दो दिन पहले ही कस्टम विभाग को मिली, कस्टम को मिली जानकारी के मुताबिक कंटेनर को अफ्रीका भेजा जाना था । इसलिए इस मामले में आगे जांच की गई तो पता चला कि इस ड्रग स्कैंडल का अंत अहमदाबाद तक पहुंच चुका है । तो अब अहमदाबाद में सर्च ऑपरेशन चलाया गया ।

मुंद्रा बंदरगाह से अफ्रीकी देशों में ड्रग्स की आड़ में ड्रग्स भेजे जाने का खुलासा होने के बाद उनकी टीम अहमदाबाद पहुंची । मिली जानकारी के मुताबिक, अहमदाबाद के एक गोदाम से कस्टम विभाग की तलाशी से ५० हजार ज्यादा ट्रामाडोल टैबलेट मिलीं । इससे पहले २९ जुलाई को सीमा शुल्क विभाग ने अफ्रीकी देशों में निर्यात के लिए मुंद्रा बंदरगाह से दो कंटेनरों को रोका था और उनकी जांच के दौरान उनमें ११० करोड़ रुपये की ट्रामाडोल गोलियां पाई गईं ।

जानकारी के मुताबिक, ड्रग्स की ये दोनों खेप राजकोट के एक कारोबारी ने भेजी थी । उन्हें अफ्रीकी देशों सिएरा लियोन और नाइजर भेजा गया । अफ्रीकी देशों में सिंथेटिक ओपिओइड की अत्यधिक मांग पाई गई है । बताया जाता है कि आतंकवादी अधिक समय तक जागते रहने के लिए ट्रामाडोल का इस्तेमाल कर रहे हैं ।

अप्रैल २०१८ से, इस दवा के आयात-निर्यात को नारकोटिक्स ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस एक्ट १९८५ के तहत पूरी तरह से प्रतिबंधित कर दिया गया है, जो नशीली दवाओं की तस्करी, भंडारण और बिक्री पर प्रतिबंध लगाता है । दोनों कंटेनरों से ६८ लाख रुपये कीमत की २५ मिलीग्राम की एक गोली सीमा शुल्क विभाग ने जब्त कर ली है । राजकोट की फर्म द्वारा ट्रामाडोल टैबलेट को डिक्लोफेनाक टैबलेट और ज़ेबेडोल टैबलेट की आड़ में अफ्रीका में निर्यात किया गया था । जांच के दौरान कस्टम विभाग को कंटेनर से ट्रामाडोल ब्रांड नाम ट्रामाकिंग २२५ और रॉयल २२५ की गोलियां भारी मात्रा में मिलीं ।

पार्टी के दौरान सांभर में निकला कॉकरोच, अहमदाबाद नगर निगम ने सील किया फाइव स्टार हयात होटल का किचन

अहमदाबादः गुजरात के अहमदाबाद में फाइव स्टार हयात होटल के सांभर में कॉकरोच मिलने पर म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन ने बड़ी कार्रवाई की है। अहमदाबाद नगर निगम (रु) ने वस्त्रापुर इलाके में स्थित लग्जरी हयात होटल के किचन को अगले 48 घंटे के लिए सील किया है। नगर निगम की टीम ने होटल के खिलाफ यह कार्रवाई जांच के बाद की है। निगम की टीम को जांच में होटल का किचन अनहाइजेनिक मिला। इसके बाद निगम की टीम ने किचन के गेट पर नोटिस चस्पा करते हुए उसे सील कर दिया। कुछ दिन पहले हयात होटल में एक पार्टी के दौरान सांभर में कॉकरोच मिलने का मामला सामने आया था। इस मामले को लेकर एएमसी को शिकायत मिली थी। एएमसी ने शिकायत के बाद कार्रवाई करते हुए होटल के किचन की जांच की थी।

गुजरात के अहमदाबाद में स्थित एक पांच सितारा होटल के खिलाफ कॉकरोच मिलने पर सख्त कार्रवाई की गई है। अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉरपोरेशन ने जांच के बाद होटल के किचन को अगले 48 घंटे के लिए सील कर दिया है। पिछले दिनों में सांभर में कॉकरोच मिलने का मामला सामने आया था।

जानकारी के अनुसार अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के हेल्थ डिपार्टमेंट द्वारा होटल हयात के किचन में जांच की गई। इसके बाद होटल का किचन सील किया गया। जानकारी में सामने आया है कि होटल में एक बड़े फंक्शन के दौरान सांभर से यह कॉकरोच निकला था जिससे लोग काफी नाराज़ हुए थे और म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के हेल्थ डिपार्टमेंट को शिकायत की गई थी। होटल के किचन को सील करते हुए अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ने एक नोटिस तक चस्पा की इसमें लिखा गया है कि मिली शिकायत के आधार पर जांच करने के बाद होटल का किचन अनहाइजेनिक स्थिति में पाया गया है। इसलिए तात्कालिक तौर से आपके किचन को 48 घंटों के लिए बंद किया जा रहा है।

२.१७ करोड़ की संपत्ति मूल मालिकों को लौटाई गई

अहमदाबाद, ३१ जुलाई । तेरा तुझको अर्पण के तहत अहमदाबाद ग्राम्य पुलिस ने लोगों का चोरी हुआ सामान लौटाया है। जिसमें लोगों के मोबाइल, बाइक और साइबर फ्रोड में मौजूद सोने-चांदी के आभूषण और नकदी वापस की गई । अहमदाबाद ग्रामीण एसपी ओम प्रकाश जाट और डीवाईएसपी नीलम गोस्वामी के नेतृत्व में भोपाल में तेरा तुझको अर्पण कार्यक्रम आयोजित किया गया । जिसमें जिन लोगों के वाहन, मोबाइल और कीमती सामान चोरी हो गए थे उन्हें उनका सामान वापस दिया गया । अहमदाबाद ग्रामीण के सभी पुलिस स्टेशनों ने कुल २.१७ करोड़ की गुम या चोरी हुई संपत्ति मालिक को लौटा दी है । ढोलका डिवीजन में १.७३ करोड़ रुपये के पुलिस स्टेशन, साणंद डिवीजन में ७०.७८ लाख रुपये के पुलिस स्टेशन और विरमगाम डिवीजन में २७.९० लाख रुपये के पुलिस स्टेशन जनता को सौंप दिए गए हैं । कई लोगों ने पुलिस को धन्यवाद दिया ।

प्रतियोगी परीक्षा से सीबीआरटी पद्धति को वापस लेने का सुझाव

गांधीनगर, ३१ जुलाई । वन भर्ती और वर्तमान परीक्षा प्रणाली सीबीआरटी को लेकर छात्रों के साथ हो रहे अन्याय को लेकर छात्र नेता युवराज सिंह सहित बड़ी संख्या में छात्र अधीनस्थ सेवा सचिव से व्यक्तिगत रूप से मिलने पहुंचे और प्रतियोगी परीक्षा से सीबीआरटी प्रणाली को बंद करने का प्रस्ताव रखा. तो आइए उनके सामने आने वाली समस्या और मांग के बारे में विस्तार से चर्चा करें ।

छात्र नेता युवराजसिंह ने बात करते हुए कहा कि पिछले कई वर्षों से गौसेवा द्वारा सीसीई, वन, सर्वेक्षक, लेखा एवं उप लेखा परीक्षक तथा नगर निगम के विभिन्न संवर्गों एवं संवर्गों की भर्तियां सीबीआरटी पद्धति से निकाली जाती रही हैं । इस पद्धति को पहली बार गुजरात में आजमाने से पहले कहा गया था कि इस सीबीआरटी के माध्यम से परीक्षा आयोजित करने वाली एजेंसी बहुत विश्वसनीय, पारदर्शी, पेपरलेस, त्रुटि रहित है, लेकिन पिछली बार आयोजित सभी परीक्षाओं में कई गड़बड़ियां सामने आई थीं । सबसे बड़ा नकारात्मक पहलू यह है कि गुजरात सरकार की सभी परीक्षाएं गुजराती भाषा के माध्यम से आयोजित की जाती हैं । टीसीएस या अन्य निजी एजेंसी द्वारा अनुबंध कार्य में उन्हें गुजराती भाषा का कोई अनुभव नहीं है और अधीनस्थ सेवा अधिकारी और एजेंसी के लोगों के बीच समन्वय की कमी है, इसलिए उन्हें पेपर सेटिंग और पेपर जांच का काम सौंपा जाता है, जिसमें अनुवाद संबंधी त्रुटियां सबसे आम हैं । अनुवाद गूगल ट्रांसलेट या किसी अन्य एप्लिकेशन का उपयोग करके किया जाता है, जिससे इच्छित अर्थ का सम्प्रेषण नहीं हो पाता और अर्थ विकृत हो जाता है ।

जड़ेजा ने कहा कि एक और कठिनाई यह है कि जो पेपर एक से अधिक शिफ्ट में लिए जाते हैं उनमें प्रश्नों का स्तर बरकरार नहीं रहता है, कुछ पेपर बहुत आसान होते हैं और कुछ बहुत कठिन होते हैं । फिर सामान्यीकरण पद्धति का उपयोग करके तैयार की गई योग्यता सूची योग्यता को सटीक रूप से नहीं मापती है और तुलना के बेंचमार्क भी बनाए नहीं रखती है । सामान्यीकरण की यह विधि अत्यंत हानिकारक एवं अनुचित है । उसे भी इस सीबीआरटी पद्धति से खत्म किया जाना चाहिए ।

छात्रों की समस्याओं के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि सीबीआरटी परीक्षा के दौरान अनगिनत तकनीकी गड़बड़ियां होती हैं, जिससे अभ्यर्थी का समय तो बर्बाद होता ही है, तकनीकी खामियों के कारण अभ्यर्थी हतोत्साहित और निराश भी हो जाते हैं, जिससे प्रत्येक प्रश्न का उत्तर निर्धारित समय के भीतर मिल जाता है । .न्याय नहीं कर सकता. इसलिए प्रत्येक उम्मीदवार का मानना ??है कि एकल पेपर परीक्षा सभी के लिए समान अवसर और समान अवसर हो सकती है । हां, हम यह भी मानते हैं कि सिंगल पेपर सिस्टम में कई खामियां हो सकती हैं

गुजरात की गिफ्ट सिटी के बैंक कितने कमाऊ हैं? राज्यसभा में केंद्र सरकार से पूछा सवाल

मुंबईः गुजरात के गांधीनगर में स्थित गिफ्ट सिटी (उर्ू एूब) की बुधवार को राज्यसभा में चर्चा हुई। महाराष्ट्र से बीजेपी के राज्य सभा सांसद अनिल सुखदेव राव बोंडे सरकार से पूछा कि गुजरात की गिफ्ट सिटी के बैंक कितने कमाऊ हैं? उन्होंने पूछा कि अनिल सुखदेव राव बोंडे ने पूछा कि पीएम की प्रेरणा से बनी गिफ्ट सिटी में बैंक कैसे काम करते है, कितना कमाते हैं, अगर कमाते हैं तो महाराष्ट्र में खोले जाएं।मांग की अगर ये बैंक अच्छा कर रहे हैं तो इन्हें महाराष्ट्र में भी खोला जाना चाहिए। बोंडे के सवाल का राज्यसभा में वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने जवाब दिया। पिछले साल राज्य सरकार ने गिफ्ट सिटी से शराबबंदी शर्तों के साथ हटाई थी। गिफ्ट सिटी के विकास के लिए गुजरात सरकार पिछले कई सालों से विशेष कोशिशें भी कर रही है। गिफ्ट सिटी का पूरा नाम गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक सिटी है।

केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने कहा कि 21 मार्च 2024 तक गिफ्ट सिटी के बैंकों को 1250 करोड़ का शुद्ध लाभ हुआ है। उन्होंने बताया कि गिफ्ट सिटी के बैंकों ने 1 लाख 80 हजार करोड़ का कारोबार किया। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री ने कहा कि अभी गिफ्ट सिटी में कुल 6 बैंक संचालित हैं। इनमें बैंक ऑफ इंडिया, बैंक ऑफ बड़ौदा, केनरा बैंक, इंडिया बैंक, एँग और पीएनबी शामिल हैं। महाराष्ट्र बीजेपी के नेता और राज्य सभा के सांसद अनिल सुखदेव राव ने बुधवार को गुजरात की गिफ्ट सिटी को लेकर सवाल पूछा। बोंडे ने अपने सवाल में पूछा कि गुजरात की गिफ्ट सिटी में बैंक कितनी कमाई कर रहे हैं? उन्होंने कहा कि अगर ये बैंक कमा रहे हैं तो ऐसे बैंक महाराष्ट्र में भी खोले जाएं।

गिफ्ट सिटी को वैश्विक फिनटेक हब बनाने के मकसद से पिछले साल के अंत में राज्य सरकार ने यहां शराब पीने की छूट भी दी थी। शराबबंदी वाले राज्य में सरकार ने परमिट के साथ शराब बिक्री और सेवन को स्वीकृति दी है। गिफ्ट सिटी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन के हिसाब से बनाई गई है। यहां पर तमाम बड़ी कंपनियों के साथ ऑस्ट्रेलिया की दो यूनिवर्सिटी ने भी अपना कैंपस खोला है।

रणुजा दर्शन से लौट रही कार डिवाइडर से टकराई

बनासकांठा, ३१ जुलाई । गुजरात में हाईवे पर तेज गति से गुजरने के कारण वाहन गंभीर दुर्घटनाओं का कारण बन रहे हैं, वडगाम के ताइवाडा में अधूरिया ब्रिज के पास एक स्विफ्ट कार डिवाइडर से टकरा गई, जिससे वाहन में सवार पति-पत्नी सहित पांच लोगों में से तीन की मौत हो गई । उसी स्थान पर । जबकि दो अन्य घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए ले जाया गया । हादसे की सूचना मिलते ही आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई । पुलिस मौके पर पहुंच कर आगे की कार्रवाई कर रही है ।

हादसे के बारे में मिली जानकारी के अनुसार मेहसाणा के डेडियासन का सतार परिवार स्विफ्ट कार से बाबा रामदेवपीर के दर्शन के लिए रणुजा गया था । आज लौटते समय बनासकांठा जिले के वडगाम तालुका में अधुरिया ब्रिज के पास कार डिवाइडर से टकरा गई । कार के अगले हिस्से में डेंट आ गया । कार की टक्कर इतनी जोरदार थी कि एयरबैग भी खुल गया ।कार में सवार पांच लोगों में से विनूभाई चिमनलाल कारपेंटर, उनकी पत्नी गीताबेन विनूभाई कारपेंटर और ड्राइवर संजयभाई चंदूभाई कारपेंटर की मौके पर ही मौत हो गई ।

अर्जुन मोढवाडिया ने दिल्ली में अमित शाह और पाटिल से की मुलाकात

अहमदाबाद, ३१ जुलाई । गुजरात में लोकसभा और विधानसभा उपचुनाव के बाद बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष सी.आर. पाटिल का कार्यकाल खत्म हो रहा है । फिर नया अध्यक्ष कौन होगा इसको लेकर अटकलें शुरू हो गईं । इस बीच, पूर्व कैबिनेट मंत्री पूर्णेश मोदी, कैबिनेट मंत्री राघवजी पटेल समेत बीजेपी नेताओं के बीच दिल्ली में खींचतान शुरू हो गई थी और उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की थी । अब विधायक अर्जुन मोढवाडिया की दिल्ली में अमित शाह और सीआर पाटिल से मुलाकात के बाद कैबिनेट में बदलाव की अटकलों ने जोर पकड़ लिया है । लोकसभा चुनाव से पहले ही कांग्रेस के दिग्गज नेता और विधायक अर्जुन मोढवाडिया ने इस्तीफा देकर बीजेपी का दामन थाम लिया और बीजेपी के टिकट पर पोरबंदर से विधानसभा उपचुनाव जीत लिया । अब वह केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष सीआर के साथ दिल्ली में हैं । पाटिल से मुलाकात हुई । अटकलें लगाई जा रही हैं कि भूपेन्द्र पटेल सरकार में मंत्रिमंडल का विस्तार हो सकता है । चुनाव के बाद ऐसी अटकलें थीं कि अर्जुन मोढवाडिया को कैबिनेट मंत्री बनाया जा सकता है । गुजरात के कृषि मंत्री राघवजी पटेल की हाल ही में दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात के बाद राजनीतिक बहस तेज हो गई है ।

कुछ राजनीतिक सूत्र इसे एक स्वागत यात्रा बता रहे हैं । दूसरी ओर, कैबिनेट विस्तार को लेकर भी चर्चा चल रही है । फिर राघवजी के दौरे के बाद राजनीतिक चर्चाएं शुरू हो गईं ।

फ़िलाटेक्स फ़ैशन्स लिमिटेड की माइनिंग सहायक कंपनी को 35 मिलियन अमेरिकी डॉलर(रु.293करोड़) का निर्यात ऑर्डर प्राप्त हुआ

कंपनी की माइनिंग सहायक कंपनी फिलाटेक्स माइंस एंड मिनरल्स प्राइवेट लिमिटेड को 7 साल की अवधि में 2,97,388 मेट्रिक टन व्हाइट मार्बल की आपूर्ति का ऑर्डर मिला है हैदराबाद, 29जुलाई,2024 - हैदराबाद स्थित अग्रणी सॉक्स और कोटन प्रोडक्ट्स बनानेवाली कंपनी फिलाटेक्स फैशन लिमिटेड (BSE – 532022, NSE – FILATFASH) की सहायक कंपनी को 2,97,388 मीट्रिक टन व्हाइट मार्बल की आपूर्ति के लिए 35 मिलियन अमेरिकी डॉलर का निर्यात ऑर्डर प्राप्त हुआ है।

खनन व्यवसाय में कंपनी की सहायक कंपनी, फिलाटेक्स माइंस एंड मिनरल्स प्राइवेट लिमिटेड को ब्लूमफ्लोरा वेंचर्स लिमिटेड से यह ऑर्डर मिला है।यह कंपनी अफ्रीका में अपने आगामी 54 बेड्स के अस्पतालों के लिए अस्पताल विकास व्यवसाय में है। 7 साल की अवधि में व्हाइट मार्बल सप्लाई का ऑर्डर 35 मिलियन अमेरिकी डॉलर (रु.293 करोड़) होने का अनुमान है। यह कंपनी की खनन सहायक कंपनी के लिए पहला निर्यात ऑर्डर है।

फिलाटेक्स फैशन लिमिटेड के बॉर्ड ऑफ डिरेक्टर्स ने 26 जुलाई 2024 को हुई अपनी बैठक में कार्यकारी निदेशक श्रेणी में कंपनी के अतिरिक्त निदेशक और सीईओ के रूप में श्री सुनील अग्रवाल की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। नियुक्ति आगामी वार्षिक आम बैठक में शेयरधारकों की मंजूरी के अधीन है। श्री सुनील अग्रवाल के पास 10 वर्षों से अधिक का व्यापक अनुभव है और वित्तीय सेवाओं, सलाहकार, निवेश सलाहकार और जोखिम प्रबंधन परामर्श में विशेषज्ञता रखते हैं और कुछ प्रमुख कंपनियों के बोर्ड में रहे हैं।

कंपनी ने 15 जुलाई 2024 को आयोजित असाधारण आम बैठक में 5-फॉर-1 स्टॉक विभाजन को मंजूरी दी। ईजीएम में शेयरधारकों की मंजूरी के बाद कंपनी की अधिकृत शेयर पूंजी रु. 850 करोड़ है, जिसे रु. 1 के 850 करोड़ इक्विटी शेयरों में विभाजित किया गया है। वित्त वर्ष 2023-24 के लिए, कंपनी ने रु. 8.95 करोड़ का शुद्ध लाभ कमाया और कुल आय रु. 179.02 करोड़ रही। वित्त वर्ष 2024 के चौथी तिमाही के दौरान कंपनी का शुद्ध लाभ रु. 2.56 करोड़ और कुल आय रु. 69.59 करोड़ बताई गई।

ओखा-दिल्ली सराय रोहिल्ला स्पेशल ट्रेन के टर्मिनल स्टेशन में बदलाव

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिए चलायी जा रही ओखा-दिल्ली सराय रोहिल्ला स्पेशल ट्रेन के टर्मिनल स्टेशन में बदलाव किया गया है। अब यह ट्रेन दिल्ली सराय रोहिल्ला की जगह दिल्ली केंट तक जाएगी। विवरण इस प्रकार हैः

ट्रेन संख्या 09523 ओखा-दिल्ली केंट स्पेशल 6 अगस्त, 2024 से ओखा से अपने निर्धारित समय प्रति मंगलवार 10.00 बजे रवाना होकर दिल्ली केंट अगले दिन 09.40 बजे पहुंचेगी। इसी तरह वापसी में ट्रेन संख्या 09524 दिल्ली केंट-ओखा स्पेशल 7 अगस्त, 2024 से दिल्ली केंट से प्रति बुधवार 13.40 बजे रवाना होकर ओखा अगले दिन 13.50 बजे ओखा पहुंचेगी।

गौर तलब है कि इस ट्रेन के दिल्ली केंट के अलावा अन्य किसी भी स्टेशन की समय सारणी में कोई भी बदलाव नहीं किया गया।

ट्रेनों के ठहराव के समय और संरचना के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www .enquiry .indanrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

कैपिटल स्मॉल फाइनेंस बैंक ने वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही के नतीजे घोषित किए

राष्ट्रीय, 30 जुलाई, 2024: वर्ष 2016 में परिचालन शुरू करने वाले भारत के पहला स्मॉल फाइनेंस बैंक कैपिटल स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड ने जून 2024 को समाप्त तिमाही के लिए अन ऑडिटेड फाइनेंशियल रिजल्ट्स (गैर-लेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों) की घोषणा की है।

कैपिटल स्मॉल फाइनेंस बैंक के एमडी और सीईओ श्री सर्वजीत सिंह समरा ने कहा, ''विकास पूंजी निवेश के साथ पुनर्जीवित हमारी इस विकास यात्रा ने शानदार प्रगति दिखानी शुरू कर दी है, ग्रॉस एडवांसेज (सकल अग्रिमों) में 12ƶ की वृद्धि और 1,400 करोड़ रुपये से अधिक (पिछले छह महीनों के दौरान, विकास पूंजी निवेश के बाद) का वितरण हुआ है।

तिमाही के दौरान अग्रिम और जमा वृद्धि बैंक के अनुमान के अनुरूप है, हालांकि पहली तिमाही के दौरान अग्रिम में क्रमिक गिरावट आई है। हमें ध्र्ुर्ं विस्तार के साथ वर्ष के लिए शुरू में लक्ष्य के अनुसार लोन बुक में वृद्धि का भरोसा है।

क्युपिड लिमिटेड ने भारतीय प्रमुख प्लेटफार्मों पर अपनी ई-कॉमर्स उपस्थिति का विस्तार किया

अहमदाबादः गर्भनिरोधक और व्यक्तिगत स्वास्थ्य उद्योग में अग्रणी नाम क्युपिड लिमिटेड ने गर्व से घोषणा की है कि उसने भारत के प्रमुख ऑनलाइन मार्केटप्लेस, जिनमें ैंदह.ग्ह, इत्र्ज्ूं और 1रु शामिल हैं, पर अपनी ई-कॉमर्स उपस्थिति को बढ़ाया है। इस रणनीतिक कदम का उद्देश्य क्युपिड के उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों को देशभर के उपभोक्ताओं के लिए अधिक सुलभ बनाना है, जिससे स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देने के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता को मजबूत किया जा सके। इस विस्तार से भारत में कहीं भी क्युपिड के उत्पादों को खरीदने की सुविधा आपके हाथों में आ जाती है।

व्यक्तिगत स्वास्थ्य उत्पादों तक विश्वसनीय और गोपनीय पहुंच की बढ़ती मांग के साथ, क्युपिड लिमिटेड ने एक मजबूत ऑनलाइन उपस्थिति के महत्व को पहचाना है। प्रमुख ई-कॉमर्स प्लेटफार्मों के साथ साझेदारी करके, क्युपिड यह सुनिश्चित करता है कि उसके उत्पादों की श्रृंखला, जिसमें पुरुष और महिला कंडोम, जल-आधारित स्नेहक, और अन्य अंतरंग स्वास्थ्य वस्तुएं शामिल हैं, एक व्यापक दर्शकों के लिए आसानी से उपलब्ध हों।

गुजरात टीम ने अंडर-23 मिनीफुट बॉल नेशनल चैंपियनशिप 2024 जीती

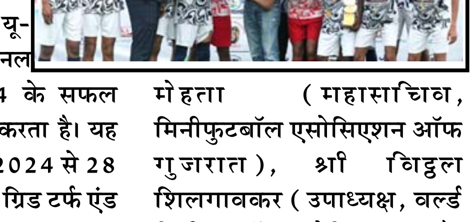

मिनी फुटबॉल एसोसिएशन ऑफ गुजरात, शीर्षक प्रायोजक काका इंडस्ट्रीज लिमिटेड के सहयोग से, गर्व से यू-23 मिनीफुटबॉल नेशनल चैंपियनशिप 2024 के सफल समापन की घोषणा करता है। यह कार्यक्रम 26 जुलाई 2024 से 28 जुलाई 2024 तक द ग्रिड टर्फ एंड कैफे में आयोजित किया जाएगा। , अहमदाबाद में देश के सर्वश्रेष्ठ युवा मिनीफुटबॉल खिलाड़ियों को असाधारण प्रतिभा और खेल कौशल का प्रदर्शन करते हुए एक साथ लाया गया।टूर्नामेंट की घोषणा के दौरान श्री तरूण मेहता (महासचिव, मिनीफुटबॉल एसोसिएशन ऑफ गुजरात), श्री विट्ठल शिलगावकर (उपाध्यक्ष, वर्ल्ड मिनीफुटबॉल एसोसिएशन) और श्री चिंतन बोदर (सीएफओ, काका इंडस्ट्रियल) उपस्थित थे। काका इंडस्ट्रीज लिमिटेड पॉवर्स यू-23 मिनीफुटबॉल नेशनल चैम्पियनशिप 2024 गुजरात में आयोजित किया गया। ,

जियोगेम्स ने अपने प्लेटफॉर्म पर गूगल गेमस्नैक्स का इंटीग्रेशन किया

नई दिल्ली, 29 जुलाई, 2024: भारत के अग्रणी गेमिंग प्लेटफॉर्म जियोगेम्स ने अपने जियोगेम्स ऐप और जियो सेट-टॉप बॉक्स में गूगल के गेमस्नैक्स को इंटीग्रेट करके अपने गेमिंग पोर्टफोलियो का विस्तार किया है। जियोगेम्स के उपयोगकर्ता अब डेली सुडोकू, ओम नोम रन और ट्रैफिक टॉम सहित आठ लोकप्रिय गेम खेल सकते हैं।

गेमस्नैक्स के सभी गेम जियोगेम्स उपयोगकर्ताओं के लिए फ्री में उपलब्ध होंगे। एंड्रॉइड फोन यूजर्स इन गेम्स को खेलने के लिए जियोगेम्स ऐप होमपेज से आसानी से पहुँच सकते हैं। गूगल के गेमस्नैक्स गेम्स, मायजियो और जियोटीवी पर जियोगेम्स मिनी-ऐप्स पर भी उपलब्ध होंगे।

गूगल के गेमस्नैक्स गेम्स काफी हल्के होते हैं और जल्द ही लोड हो जाते हैं। यह प्ऊश्थ्5 गेम कम मेमोरी वाले डिवाइस और अलग-अलग नेटवर्क स्थितियों में भी खेले जा सकते हैं। कंपनी ने कहा है कि इस सहयोग का उद्देश्य भारत में लाखों उपयोगकर्ताओं के लिए गेमिंग एक्सपीरियंस को बेहतर बनाना है। ताकी कैज़ुअल गेम्स तक ग्राहक की आसान पहुंच हो।

गेमस्नैक्स के पास दुनिया भर के खिलाड़ियों के लिए 100 से अधिक गेम है। जियोगेम्स, भारत को एक प्रमुख गेमिंग हब के तौर पर उभारना चाहता है। और यह समझौता जियोगेम्स की प्रतिबद्धता को दिखाता है।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर को प्रतिष्ठा वाले ईईपीसी निर्यात उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया गया

बैंगलोर, 25 जुलाई 2024: टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) को इसके उत्कृष्ट निर्यात प्रदर्शन के लिए दो प्रतिष्ठा वाले पुरस्कारों से मान्यता मिली है। हाल में आयोजित ईईपीसी इंडिया (इंजीनियरिंग एक्सपोर्ट प्रोमोशन कौंसिल ऑफ इंडिया या भारतीय इंजीनियरिंग निर्यात संवर्धन परिषद) के दक्षिण क्षेत्रीय निर्यात पुरस्कार समारोह (सदर्न रीजन एक्सपोर्ट अवार्ड सेरेमनी) में कंपनी को यह सम्मान मिला। टीकेएम को 2019-20 के लिए 'इंजन और टर्बाइन तथा उसके पुर्जे' श्रेणी के लिए - 'बड़े उद्यम' पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कंपनी को 2020-21 में इंजीनियरिंग उत्पादों में निर्यात उत्कृष्टता हासिल करने के लिए मर्चेंट निर्यातक श्रेणी के तहत 'गोल्ड ट्रॉफी' प्रदान की गई। ये पुरस्कार भारत के इंजीनियरिंग निर्यात को आगे बढ़ाने के लिए कंपनी के समर्पण को दर्शाते हैं। इंजीनियरिंग क्षेत्र व्यापक विनिर्माण क्षेत्र का एक अभिन्न अंग है और समग्र विनिर्माण उत्पादन में इंजीनियरिंग उत्पादों की हिस्सेदारी काफी महत्वपूर्ण है।

बल्ककॉर्प इंटरनेशनल लिमिटेड की आईपीओ 1 अगस्त को बंद होगा

कंपनी रु. 100-105 प्रति शेयर के प्राइस बैंड में रु. 10 अंकित मूल्य के 19.79 लाख इक्विटी शेयर जारी करने की योजना बना रही है। शेयरों को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के एनएसई इमर्ज प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध किया जाएगा

अहमदाबाद, 29 जुलाई 2024: अंतरराष्ट्रीय मानकों वाली फूड ग्रेड बैग के अग्रणी निर्माताओं में से एक, अहमदाबाद स्थित बल्ककॉर्प इंटरनेशनल लिमिटेड अपने एसएमई आईपीओ से रु. 20.78 करोड़ तक जुटाने की योजना बना रही है। कंपनी को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड के एनएसई इमर्ज प्लेटफॉर्म पर अपना आईपीओ लॉन्च करने की मंजूरी मिल गई है। आईपीओ सदस्यता के लिए 30 जुलाई, 2024 को खुलेगा और 1 अगस्त, 2024 को बंद होगा।

पब्लिक इश्यू से प्राप्त राशि का उपयोग कंपनी की विस्तार योजनाओं को वित्तपोषित करने के लिए किया जाएगा, जिसमें कैप्टिव सौर ऊर्जा प्लान्ट स्थापित करने के लिए पूंजीगत व्यय, कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं को पूरा करना, सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्य और इश्यू से संबंधित खर्च शामिल हैं। स्वस्तिका इन्वेस्टमार्ट लिमिटेड इस इश्यू की लीड मैनेजर है।

रु. 20.78 करोड़ के आईपीओ में रु. 100-105 प्रति शेयर के प्राइज बैंड में रु. 10 अंकित मूल्य के 19.79 लाख इक्विटी शेयरों का एक फ्रेश इश्यू शामिल है। इश्यू की आय में से, कंपनी 500 खेंे सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने के लिए रु. 2.18 करोड़, कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं आदि के लिए रु. 11 करोड़ का उपयोग करेगी। आवेदन के लिए न्यूनतम लॉट साइज 1,200 शेयर है, जो प्राइज बैंड के उच्चतर स्तर पर प्रति आवेदन रु. 1,26,000 के निवेश के बराबर है।

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादकः लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोनः 079-22921482 Mob.9375504122 , 9327086467 R.N.I. 63177/ 95